राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार , 03 अप्रैल 2025

वर्ष 13, अंक 336, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

ग्राम पंचायत तेंनुआ में चला नजरबंदी का खेल एक ही व्यक्ति का दो जगह लगी फर्जी अटेंडेंस ..03

करोड़ों के घोटाले पर शासन प्रशासन ने साधी चुप्पी..04

पीएम मोदी ने चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक का किया स्वागत, आर्थिक भागीदारी पर चर्चा

नई दिल्ली। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट मंगलवार को पांच दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में राष्ट्रपति बोरिक का स्वागत किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और चिली के संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। खास बात यह है कि आपसी संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत और चिली ने चार महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति गेब्रियल से मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, भारत एक खास मित्र का स्वागत करता है! दिल्ली में राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट की मेजबानी करना हमारे लिए खुशी की बात है। चिली लैटिन अमेरिका में हमारा एक महत्वपूर्ण मित्र है। आज की हमारी बातचीत भारत-चिली द्विपक्षीय मैत्री को और भी मजबूत करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे लिखा, ÷हम चिली के साथ आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के इच्छुक हैं। इस संबंध में, राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट और मैं इस बात पर सहमत हुए कि व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के लिए चर्चा शुरू होनी चाहिए। हमने महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष और कृषि जैसे क्षेत्रों पर भी चर्चा की, जहां नजदीकी संबंध संभव हैं। खास तौर पर स्वास्थ्य सेवा में भारत और चिली को और भी करीब आने की काफी संभावना है। चिली में योग और आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता खुशी की बात है। सांस्कृतिक और छात्र विनिमय कार्यक्रमों के जरिए हमारे देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वहीं, राष्ट्रपति गेब्रियल ने एक्स पर लिखा, नई दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हम भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते के समतुल्य, एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर पहुंचने के लिए वार्ता शुरू होने की घोषणा करते हैं। यह जबरदस्त खबर आज की दुनिया में ऐसे महत्वपूर्ण देश के साथ मिलकर काम करने की हमारी प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप देती है। यह उन समझौतों के अतिरिक्त है, जिन पर हमने खनन प्रशिक्षण एवं अन्वेषण, आपदा प्रबंधन, तथा सांस्कृतिक एवं अंटार्कटिक क्षेत्रों में सहयोग के संबंध में हस्ताक्षर किए हैं। हम अधिक निवेश और रोजगार, अपनी अर्थव्यवस्था के विविधीकरण तथा भारत जैसे मित्र देश के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने के लिए काम करना जारी रखेंगे।÷

सीएम रेखा गुप्ता ने प्रदूषण से संबंधित कैग रिपोर्ट विधानसभा में की पेश

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में प्रदूषण और उसके रोकथाम से संबंधित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट के अनुसार, सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों की संख्या केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुरूप नहीं थी, जिसके चलते वायु गुणवत्ता सूचकांक का डेटा अविश्वसनीय रहा। उचित निगरानी के लिए आवश्यक प्रदूषक सांद्रता डेटा उपलब्ध नहीं था और लेड के स्तर की माप भी नहीं की गई। प्रदूषण स्रोतों पर वास्तविक समय का डेटा न होने से जरूरी अध्ययन नहीं हो सके। वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का कोई आकलन नहीं किया गया, जिससे स्रोत-विशिष्ट रणनीतियां बनाने में मुश्किलें आईं। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि 24 निगरानी स्टेशनों में से 10 में बेंजीन का स्तर तय सीमा से अधिक था, लेकिन पेट्रोल पंपों से होने वाले उत्सर्जन की प्रभावी निगरानी नहीं हुई। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था भी चिंता का विषय रही। दिल्ली में 9,000 बसों की आवश्यकता के मुकाबले केवल 6,750 बसें उपलब्ध थीं। बस प्रणाली में संचालन संबंधी अक्षमताएं, जैसे बसों का ऑफ-रोड रहना और तर्कहीन मार्ग योजना, भी सामने आईं। साल 2011 के बाद ग्रामीण-सेवा वाहनों की संख्या में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई, जबकि जनसंख्या लगातार बढ़ी और पुराने वाहन प्रदूषण बढ़ाते रहे। वैकल्पिक परिवहन साधनों (मोनोरेल, लाइट रेल ट्रांजिट, ट्रॉली बस) के लिए आवंटित बजट पिछले सात वर्षों से अप्रयुक्त पड़ा रहा। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि सार्वजनिक परिवहन बसों की उत्सर्जन जांच, जो माह में दो बार अनिवार्य है, नियमित रूप से नहीं हुई। प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र जारी करने में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आईं, जिसमें अत्यधिक उत्सर्जन वाले वाहनों को भी पास कर दिया गया। प्रदूषण जांच केंद्रों का कोई निरीक्षण या थर्ड पार्टी ऑडिट नहीं हुआ। आधुनिक तकनीकों, जैसे रिमोट सेंसिंग डिवाइस, को अपनाने में देरी और वाहन फिटनेस परीक्षणों का ज्यादातर मैन्युअल तरीके से होना भी चिंताजनक रहा। वित्त वर्ष 2018-19 में 64 प्रतिशत वाहन, जो फिटनेस परीक्षण के लिए नियत थे, परीक्षण के लिए नहीं पहुंचे। स्वचालित वाहन निरीक्षण इकाइयों का उपयोग न्यूनतम रहा और बिना उचित परीक्षण के फिटनेस प्रमाणपत्र जारी किए गए। दिल्ली में भाजपा सरकार बनने के बाद, विधानसभा में आबकारी नीति से संबंधित रिपोर्ट, स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित रिपोर्ट और दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) से संबंधित रिपोर्ट सहित अब तक पांच कैग रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जा चुकी हैं।

थाना सरायममरेज पुलिस टीम द्वारा 03 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से लूट का 01 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 01 मोटर साइकिल बरामद

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। श्रीमान् पुलिस आयुक्त अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान में सरायममरेज पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-31.03.2025 को 03 अभियुक्त 1. रमा भारतीया पुत्र सूर्यबली भारतीया निवासी वार्ड नं0-04 थाना हण्डिया कमिश्रेरट प्रयागराज 2. मोहम्मद समीर पुत्र मोहम्मद बाऊल निवासी वार्ड नं0-04 थाना हण्डिया कमिश्रेरट प्रयागराज 3. अनिल कुमार पुत्र हरिशचन्द्र यादव निवासी ग्राम मुंगरांव थाना हण्डिया कमिश्रेरट प्रयागराज को थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत कटहरा बाजार के पास से लूट की 01 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 01 मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना सरायममरेज पर मु0अ0सं0-56/2025 धारा-309(4)/317(2) भा0न्या0सं0 पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । दिनांक 03.01.2025 को भुवनेश्वर नारायण मिश्र पुत्र कैलाशनाथ निवासी ग्राम चौका थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज मोबाइल फोन से बात करते हुए अपने घर से वारी जा रहे थे तभी 02 मोटरसाइकिल सवार 04 अज्ञात लोगों द्वारा उनका मोबाइल फोन छीन लिया गया तथा उक्त मोबाइल फोन को अपना बताकर थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम चफला निवासी मंगलेश कुमार पुत्र रमेश कुमार को बेच दिया गया था । पीड़ित भुवनेश्वर नारायण मिश्र उपरोक्त द्वारा अपनी छिनी गई मोबाइल मंगलेश कुमार द्वारा चलाये जाने की जानकारी होने पर उनसे सम्पर्क किया तो मंगलेश कुमार द्वारा खरीदे गये मोबाइल के बारे में सारी बात बतायी गयी ।

पीड़ित भुवनेश्वर नारायण मिश्र उपरोक्त द्वारा थाना सरायममरेज पर सूचना देकर छिनैती करने वाले व्यक्तियों से सम्पर्क कर मोबाइल फोन वापस करने की बात की गयी जिस पर उनके द्वारा दिनांक 31.03.2025 को थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत कटहरा बाजार में आकर उक्त मोबाइल वापस ले जाने व मंगलेश कुमार के पैसे वापस करने की बात कही गयी । थाना सरायममरेज पुलिस टीम द्वारा दिनांक 31.03.2025 को थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत कटहरा बाजार से 03 अभियुक्त 1. रमा भारतीया पुत्र सूर्यबली भारतीया निवासी वार्ड नं0-04 थाना हण्डिया कमिश्रेरट प्रयागराज 2. मोहम्मद समीर पुत्र मोहम्मद बाऊल निवासी वार्ड नं0-04 थाना हण्डिया कमिश्रेरट प्रयागराज 3. अनिल कुमार पुत्र हरिशचन्द्र यादव निवासी ग्राम मुंगरांव थाना हण्डिया कमिश्रेरट प्रयागराज 2. मोहम्मद समीर पुत्र मोहम्मद बाऊल निवासी वार्ड नं0-04 थाना हण्डिया कमिश्रेरट प्रयागराज 3. अनिल कुमार पुत्र हरिशचन्द्र यादव निवासी ग्राम मुंगरांव थाना हण्डिया कमिश्रेरट प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से लूटी गयी 01 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 01 मोटरसाइकिल बरामद किया गया ।

उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना सरायममरेज पर मु0अ0सं0-56/2025 धारा-309(4)/317(2) भा0न्या0सं0 पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ करने पर बताया कि दिनांक-03.01.2025 को हम लोगों द्वारा थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत जरियार वीर बाबा मन्दिर के पास फोन पर बात करते हुए 01 व्यक्ति का मोबाइल फोन छीना गया था । उक्त मोबाइल को हम लोगों द्वारा थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम चपला निवासी मंगलेश को 14000/- रूपये में बेच दिया गया था तथा उक्त रूपयों को आपस में बांट लिया गया था

संक्षिप्त ख़बरें

सड़क हादसे में बाइक सवार मां और बेटे को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर मां की मौत

बिसवां/सीतापुर। सड़क हादसे में बाइक सवार मां और बेटे को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर मां की मौत हो गयी। सोमवार को पैंतेपुर थाना महमूदाबाद निवासी अनुराग अपनी मां निर्मला देवी के साथ पैंतेपुर से बिसवां की ओर जा रहा था। महमूदाबाद रोड पर कोठीपुरवा के निकट किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में मां और बेटा दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों के द्वारा उन्हें सीएचसी बिसवां ले जाया। जहां डाक्टरों ने निर्मला देवी पत्नी मंशाराम को मृत घोषित कर दिया। यह सुनकर परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं बुरी तरह से घायल अनुराग का इलाज जारी है। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

प्रार्थना पत्र देकर उचित कार्यवाही करने की मांग

मिश्रिख़ (सीतापुर)थाना संदना के ग्राम रसूलवा निवासिनी केशना देवी पत्नी कृष्ण पाल ने थाना प्रभारी को एक शिकायती पत्र

देकर आरोप लगाया है। कि उसके मकान के सामने उसकी खाली भूमि पड़ी है। जिसमें एक नीम का पेड़ भी खड़ा है। उसी भूमि पर आरोपी दिनेश पुत्र मायाराम जबरिया शौंचालय का निर्माण करा रहे हैं। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी अपने अन्य साथियों को लेकर आमांदा फौजदारी हो गया। और पीड़िता व उसकी पुत्री अश्लील गालियां देते हुए लाठी डंडों से जमकर पिटाई कर दी। पीड़िता ने मांमले का शिकायती पत्र थाना प्रभारी को देकर आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग की हैं।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित 3 अप्रैल को श्रृंगवेरपुर धाम के भ्रमण के दृष्टिगत की जा रही तैयारियों का लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिनांक 03 अप्रैल, 2025 को श्रृंगवेरपुर धाम प्रयागराज के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत पुलिस आयुक्त तरूण गाबा, मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के द्वारा मंगलवार को कार्यक्रम स्थल पर की जा रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया गया। उन्होंने निषादराज पार्क, हेलीपैड, जनसभा स्थल, प्रदर्शनी स्थल, ओडीओपी स्टॉल एवं पार्किंग व अन्य स्थानों का भ्रमण कर निरीक्षण किया एवं सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड व अन्य स्थलों पर साफ-सफाई, भीड़ प्रबंधन, यातायात, पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं को समय से सुनिश्चित कराये के निर्देश दिए है। वरिष्ठ

अधिकारियों के द्वारा कार्यक्रम स्थल पर आने वाले लोगो के आने और जाने के मार्ग की जानकारी ली गयी और उनके बैठने की व्यवस्था, पेयजल और मोबाइल टॉयलेट की समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आने वाले वाहनों को निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार ही आवागमन सुनिश्चित करने और पार्किंग मैनेजमेंट की बेहतर व्यवस्था करने के लिए कहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा सभी व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद बनाने के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मां चांद्रिका देवी मंदिर में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने किए दर्शन

स्वतंत्र प्रभात
विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ । राजधानी लखनऊ की बीकेटी क्षेत्र में स्थित सुप्रसिद्ध शक्ति पीठ मां चांद्रिका देवी मंदिर मे मंगलवार को प्रदेश सरकार के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने मां चांद्रिका देवी के दर्शन किए । नवरात्रि के शुभ अवसर पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ने कठवारा स्थित मां चंद्रिका देवी में विधि विधान से हवन पूजन कर मां चांद्रिका के दर्शन कर प्रदेश वासियों के मंगल एवं स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए मां चांद्रिका देवी मंदिर का भ्रमण किया । नवरात्रि के शुभ अवसर पर तीसरे दिन मंदिर प्रांगण में मां चांद्रिका देवी में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे भक्तगणों द्वारा मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना की गई । इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष विजय मौर्य एवं भाजपा कार्यकर्ताओं सहित भाजपा पार्टी के पदाधिकारीयों की मौजूदगी रही ।

आरोप अंबेडकर नगर महरुआ थाना क्षेत्र के अतरौरा डरीडीहा निवासी शिवकुमार ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर लगाया हत्या का आरोप

अजय कुमार की जेल में हुई मौत परिवार वालों ने थाना अध्यक्ष और जेल प्रशासन पर लगाया मौत का आरोप

स्वतंत्र प्रभात

अजय कुमार और अनिल कुमार के बीच कुछ गाली गलौज की रिकॉर्डिंग सामने आई थी उसी रिकॉर्डिंग को विपक्षी अनिल कुमार ने वायरल कर दिया था जिसे लेकर उन्माद ना पैदा हो पुलिस द्वारा अजय कुमार को पकड़ कर ले गई थी जिसमें पुलिस द्वार उसी दिन उसका चलान उप जिला अधिकारी भीटी सदानंद सरोज द्वारा जेल भेज दिया गया इसके बाद अजय कुमार निषाद की जेल में मौत हो जाती है पीड़ित के परिवार वालों ने आरोप लगाया है कि हमारे बेटे को पुलिस ने काफी मारा पीटा जिसके कारण जेल में उसकी मौत हो गई मौत के बाद जेल प्रशासन ने परिवार वालों को सूचित किया कि उक्त व्यक्ति की मौत हो गई है जब गांव से परिवार वाले जेल पहुंचे तो जेल के अधिकारियों ने परिवार वालों से नहीं मिलने दिया बताया कि अजय कुमार को अस्पताल भेज दिया गया है

लेकिन जब परिवार वाले अस्पताल पहुंचते हैं तो वहां भी पीड़ित का शव नहीं मिलता है उसके बाद पुलिस वालों ने बताया कि लाश को मर्चरी हाउस भेज दिया गया है जब परिवार वाले मर्चरी हाउस पहुंचे तो वहां पीड़ित की लाश देखा तो उसके कान और नाक से खून बह रहा था और सर के पीछे चोट लगी थी इस विषय पर जब परिवार वालों से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि हमारे बेटे को थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार ने काफी मारा पीटा गया था जिसके कारण जेल में उसकी मौत हो गई वहीं जेल प्रशासन पर भी लापरवाही का आरोप लगाया है शिवकुमार ने बताया कि प्रशासन की लापरवाही के कारण हमारे बेटे की मौत हुई है जिसमें अनिल कुमार भी शामिल है जेल भेजवाने में गांव के कुछ दबंग व्यक्तियों का हाथ भी है पुलिस प्रशासन की देखरेख में शव को दफनाया गया भारी भीड़ जमी हुई थी जिसमें विधायक धर्मराज निषाद जिला अध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी जिला पंचायत अध्यक्ष साधू वर्मा मंडल अध्यक्ष रनेश पांडे अहिरौली पुलिस भीटी पुलिस महरुआ पुलिस क्षेत्राधिकार सहित तमाम पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जानने के लिए क्षेत्रीय विधायक ने किया औचक निरीक्षण

कछौना, हरदोई। आम जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके, जिसकी जमीनी हकीकत को जानने के लिए क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना का मंगलवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं का बारीकी से निरीक्षण किया, पंजीकरण कक्ष, इमरजेंसी कक्ष, दवा वितरण कक्ष, पैथोलॉजी, टीवी दवा वितरण कक्ष, मरीज भर्ती कक्ष का निरीक्षण किया।

प्रांगण में घास झाड़ी गंदगी को देखकर नगर पंचायत को विधिवत सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने को निर्देश दिया। मरीजों से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ की जानकारी ली, उन्होंने सख्त लहजे में कहां डॉक्टर बाहर की दवाई मरीजों को न लिखें, अस्पताल में सभी दवाएं उपलब्ध हैं, उन्हें मरीजों को उपलब्ध कराएं। वर्तमान समय गर्मी मौसम में मच्छर जनित बीमारी ज्यादा होती है। सरकार द्वारा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को अच्छे तरीके से क्रियान्वयन किया जाए, कोई शिकायत होने पर ठोस कदम उठाएं। ग्राम प्रधानों व ग्राम सभा की स्वच्छता समिति व नगर की स्वच्छता समिति से समन्वय बनाकर ग्राउंड लेवल पर कार्य करें।

कन्याओं का पूजिये भी, आत्मसुरक्षा भी सिखाइए

रविवार से चैत्र नवरात्र शुरू हो गए। नवरात्र में अधिकांश हिंदू परिवार घर में मां के कलश की स्थापना करते हैं।इन नौ दिन उपवास रखकर देवी के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है।देवी स्परुपा कन्याओं को पूजा जाता है।उन्हें जिमाया जाता है। वस्त्रादि भेंट किए जाते हैं। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है।सदियों से चली आ रही इस परम्परा में वक्त के हिसाब से अब सुधार की जरूरत है। आज जरूरत है कि हम कन्याओं को पूजे और जिमाएं ही नहीं।उन्हें शिक्षित भी करें।उन्हें आज के समय और परिस्थिति में जीने के अनुकूल बनाए। आत्मसुरक्षा भी सिखाए।उन्हें गुड टच और बेड टच से अवगत भी कराएं। कन्याओं को आज के समाज में शान और सम्मान के साथ जीने के योग्य बनाएं। ज्यादति के खिलाफ बोलना भी बताएं।ज्यादति का मुकाबला भी करना सिखाएं।

नवरात्र देश भर में अलग -अलग रूप में मनाए जाते हैं।पूजा अर्चन की जाती है।सबका तात्पर्य यह ही है कि देवी शक्ति की पूजा कर हम उनसे अपने और समाज के कल्याण का आशीर्वाद मांगे।स्वस्थ समाज की मांग करे।ये सब कुछ सदियों से चला आ रहा है। आज समय की मांग है कि हम आगे बढ़े।वक्त की जरूरत के साथ परिवर्तन करें। आज देश की देवियां ,महिलाएं, मातृशक्ति विकास के हर क्षेत्र में अपना योगदान कर रही हैं।कार तो बहुत समय से चलाती रही हैं। अब ये आटो, ट्रक,ट्रेन ,मालगाड़ी भी चलाने लगीं हैं।ये प्लेन उड़ा रही हैं। अब तो सेना में जाकर बार्डर की हिफाजत भी महिलाएं कर रही हैं। आधुनिकतम लड़ाकू विमान भी उड़ा रहीं हैं। उन्हें नियंत्रित भी कर रही हैं।

कभी गाना , बजना, नाचना महिलाओं की कला मानी जाती थी। उसमें उन्हें पारंगत करने के साथ- साथ पुराने समय से परिवार की बेटियों को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई,अनाज पिसाई,छनाई के साथ घर के कामकाज भोजन बनाने में आदि में निपुण किया जाता था। ताकि वह समय की जरूरत के हिसाब के शादी के बाद अपने परिवार को संभाल सकें। इस समय शिक्षा पर उतना जोर नही था। परिवार की जरूरतें बढ़ी तो पढ़ी -लिखी महिलाएं घर की चाहरदीवारी से निकलीं। नौकरी करने लगीं। बिजनेस में परिवार को सहयोग देने लगीं। समय बदला। महिलाएं आज शिक्षित हो सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। नौकरी के लिए अकेली युवती का विदेश जाना अब आम हो गया।पैरा मिलेट्री फोर्सेज में योगदान करने के साथ आज वह सेना में आकर देश सीमाओं को सुरक्षित बनाने और शत्रु से लोहा लेने में भी लगी हैं।

समय के साथ- साथ समाज की प्राथमिकताएं भी बदलीं। नहीं बदला तो महिलाओं और युवतियों के शोषण का सिलसिला। भारतीय समाज में फैली दहेज की कुप्रथा के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे।परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़, यौन शोषण चलता रहा।देश में चेतना आई ,शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नही हुए।हाल ही में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सूचित किया कि वर्ष 2021 के प्रारंभिक आठ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय महिला आयोग को साल 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की करीब 31,000 शिकायतें मिलीं थी जो 2014 के बाद सबसे ज्यादा हैं। इनमें से आधे से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश के थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध की शिकायतों में 2020 की तुलना में 2021 में 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। साल 2020 में कुल 23,722 शिकायतें महिला आयोग को मिली थीं।राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 30,864 शिकायतों में से, अधिकतम 11,013 सम्मान के साथ जीने के अधिकार से संबंधित थीं। घरेलू हिंसा से संबंधित 6,633 और दहेज उत्पीड़न से संबंधित 4,589 शिकायतें थीं। सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सबसे अधिक 15,828 शिकायतें दर्ज की गई, इसके बाद दिल्ली में 3,336, महाराष्ट्र में 1,504, हरियाणा में 1,460 और बिहार में 1,456 शिकायतें दर्ज की गई।आयोग के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के शील भंग या छेड़छाड़ के अपराध के संबंध में 1,819 शिकायतें मिली हैं। बलात्कार और बलात्कार की कोशिश 1,675 शिकायतें, महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता की 1,537 और साइबर अपराधों की 858 शिकायतें मिली हैं। येवे शिकायत हैं जो रजिस्टर होती हैं1 इससे कई गुनी शिकायत तो दर्ज ही नही होती। परिवार का सम्मान बताकर ,युवती की स्मिता की बातकर घटनांए दबाली जाती हैं।

अब तक बच्चियों को गाने ङ्क बचाना ,डांस करने के वीडियो सामने आते थे। हाल ही में एक वीडियो सामने आया जिसमें एक पिता अपनी बेटी को लाठी चलाना सिखा रहा है। इस छोटे से वीडियों को बहुत पसंद किया गया। आज समय की मांग है कि परिवार विशेषकर मां बेटी को बचपन से गुड टच और बैड टच से अवगत कराए। इनका अंतर बताए। कहीं कुछ घर के आसपास , स्कूल में, स्कूल बस में अगर ऐसा होता है तो वह घर आकर बतांए।बेटी अब घर की देहरी के अंदर तक ही सीमित नही रह गई है। वह कार्य के लिए घर से बाहर निकल रही है। ट्रेन में, बस में अकेले सफर कर रही है।नौकरी के लिए सात समुंद पार जा रही है।ऐसे में जरूरत है उसे आत्मसुरक्षा की जानकारी देने की।जूडे-कराटे सिखाने की। आत्मसुरक्षा में निपुण करने की, ताकि वह विपरीत परिस्थिति में अपना बचाव कर सके।अगर ऐसा होगा तो छेड़छाड़ करने वाले के भय से युवती को आत्महत्या नही करनी पड़ेगी।जबकि आज इस तरह की रोज अखबारों में खबर आ रही हैं।

पिछले दिनों मुरादाबाद में से 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा ने छेड़छाड़ से परेशान होकर कीटनाशक खा कर आत्महत्याकर ली। मुंबई के विनोबा भावे नगर चचेरे भाई के बार-बार यौन उत्पीड़न से तंग आकर 15 वर्षीय किशोरी ने आत्महत्या कर ली। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जनपद में मनचले की छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

इस तरह की खबर रोज अखबारों में सुर्खियां बन रही हैं। हम अपने परिवार की बेटी को ऐसे संस्कार और शिक्षा दें। उसे आत्मनिर्भर बनांए, आत्मसुरक्षा सिखाएं, ज्यादति के खिलाफ उसे आवाज उठाना भी सिखांए ताकि समाज की कन्या और समाज बेटी की खबर अखबार की सुर्खी न बने।उसके साथ ज्यादति करने का कोई हौंसला न कर सके।

हाल में अच्छा यह हुआ है कि केंद्र ने इस तरह की घटनाओं के लिए पास्को एक्ट बनाया। इसमें त्वरित न्याय दिलाने की भी व्यवस्था की है, ताकि अपराधी अपराध करता डरे। जरूरत है कि पास्को एक्ट के तहत हुए निर्णयों का प्रचार -प्रसार व्यापक स्तर से किया जाए ताकि अपराधी में भय पैदा हो।

अशोक मधुप

समीक्षक- मोदी जी का संघं शरणम गच्छामि

प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी के 12 साल बाद संघ की शरण में जाने के लोग अलग-अलग अर्थ निकाल रहे हैं र । संघी कुछ कहते हैं और विपक्ष कुछ और। लेकिन मुझे इसमें कोई भी नयी बात नजर नहीं आती। संघ आख़िरकार मोदी जी का दीक्षास्थल है और संघ की कृपादृष्टि से वे 2014 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार और फिर लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने।

माननीय मोदी जी का संघ यानि राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ के नागपुर मुख्यालय पहुंचना ठीक वैसा ही जैसा की किसी की घर वापसी होती है। कहतें हैं कि चाहे बाघ हो, चाहे नाग अंतिम समय में अपनी गुफा या बिल में प्रवेश करके ही शांति अनुभव करता है। माननीय मोदी जी तो मनुष्य हैं',नान -बायलोजिकल मनुष्य' उन्हें भी अंतिम समय में अपनी मांद की ,बिल की,घर की याद आना स्वाभाविक है। मोदी जी को अब शायद कोई चुनाव नहीं लड़ना है, इसलिए वे संघ को उसके तमाम अस्त्र-शस्त्र ,कवच,कुंडल वापस करने गए हों ताकि संघ उन सबको मोदी जी के नए उत्तराधिकारी के लिए धो-मांजकर तैयार कर ले। आखिर मोदी जी कब तक प्रधानमंत्री पद पर टिके रह सकते है। इससे पहले कि जनता उन्हें हटाए, संघ खुद उन्हें घर बुला लेना श्रेयस्कर समझेगा।

जहाँ तक मैं संघ को जानता और समझता हूँ उसके मुताबिक संघ अपने विस्तार में बाधक किसी भी अवरोध को दूर करने में कोई संकोच नहीं करता। संघ ने देख लिया है ,जान लिया है कि मोदी जी अब 2029 के आम चुनाव के काम के नहीं रहे । वे तीसरी बार प्रधानमंत्री जरूर बन गए लेकिन उन्हें उन दलों से बैशाखियाँ लेना पड़ीं जिनका चाल,चरित्र और चेहरा संघ और भाजपा से कतई मेल नहीं खाता। संघ की कोशिश भी है और शायद योजना भी कि मोदी जी को स-सम्मान घर बुला लिया जाये। संघ मोदी जी को आडवाणी गति प्रदान नहीं करना चाहता ,क्योंकि मोदी जी ने मनसा,वाचा ,कर्मणा संघ की कार्यसूची पर अमल करते हुए देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने की दिशा में निशि-याम काम किया है। मोदी जी राष्ट्रनिर्माण में इतने व्यस्त रहे की वे 12 साल में न मणिपुर जा पाए और न नागपुर।

मोदी की कर्तव्यनिष्ठा पर कोई प्रश्नचिन्ह नहीं लगा सकता। लक्ष्य प्राप्ति के लिए संघ का एक प्रचारक जितना निर्मम हो सकता है मोदी जी ने अपने आपको उससे कहीं ज्यादा निर्मम प्रमाणित किया है।आज मोदीजी कि वजह से ही देश का अल्पसंख्यक मुसलमान पहली बार सड़कों पर ईद कि नमाज नहीं पढ़ सका। मोदी जी से पहले माननीय अटल बिहारी वाजपेयी भी देश के प्रधानमंत्री बने लेकिन वे भी देश में हिंदुत्व का इतना तीव्र भूडोल नहीं ला सके थे। वे सत्ता में जरूर आये थे लेकिन न वे जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटा पाए थे और न राम मंदिर बनवा पाए थे। वे तीन तलाक विधेयक भी पारित नहीं करा पाए थे, उनके खाते में महिला शक्ति वंदन विधेयक भी दर्ज नहीं है। हालाँकि वाजपेयी जी के मुकाबले मोदी जी पासंग भी नहीं हैं किन्तु उनके खाते में वे तमाम उपलब्धियां दर्ज हैं ,जो वाजपेयी जी के खाते में नहीं है।

मोदी जी पक्के शाखामृग हैं। संघ से मोदी का दिल का रिश्ता है। संघ के लिए वे गौतम बुद्ध की तरह अपनी पत्नी तक का त्याग कर चुके हैं। संघ के साथ उनका रिश्ता दशकों पुराना है। मोदी जी यदि 1972 में संघ की शरण में न आते तो वे कभी भी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते थे,संघ ने उन्हें चाय बेचने के श्रमसाध्य धंधे से बाहर निकाला। सन 1972 में नरेंद्र मोदी संघ में शामिल हुए थे प्रचारक बने. फिर संघ के मार्फत ही उन्हें भाजपा में प्रवेश मिला। गुजरात में संगठन की जिम्मेदारी मिली और बाद में वे 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने ,लेकिन वर्ष 2023 के आम चुनाव में संघ और मोदी जी की भाजपा के सुर अचानक बदले । मोदी ने संघ परिवार के समानांतर अपना मोदी परिवार बनाया। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के मुंह से कहलवाया की अब भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है।बावजूद इसके मोदी जी कि समझ में आ गया कि वे संघ से बड़े कभी नहीं हो सकते।

संघ ने अपने अपमान का ये घूँट चुचाप पपी लिया यहां तक की संघ का शताब्दी वर्ष भी इसीलिए धूमधाम से नहीं मनाया। किन्तु समय रहते मोदी जी को अपनी गलतियों का आभास शायद हो गया और वे अंतत-संघ की शरण में लौट आये। संघ भी यही चाहता है कि मोदी जी अब सिंहासन खाली करें। स-सम्मान करें तो बेहतर अन्यथा संघ को मोदी जी की शाखा लगाने में कोई देर होने वाली नहीं है। आज भी भाजपा में 70 फीसदी संघी ही है। मोदी जी ने हालाँकि भाजपा का कांग्रेसीकरण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई लेकिन संघियों ने प्रवासी यानि दलबदलू कांग्रेसियों को ज्यादा भाव नहीं दिया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे बिभीषण आज भी संघियों के लिए अस्पृश्य ही है।

कुल मिलाकर मोदी जी के संघ की शरण में वापस लौटने से भाजपा का नेतृत्व नयी पीढ़ी के हाथ में जाने के शुभ संकेत मिले हैं। मुझे लगता है कि अब भाजपा का नया अध्यक्ष और देश का नया पंत प्रधान भी शीघ्र घोषित कर दिया जाएग। मोदी जी 2029 के लिए सलामी लेने के लिए हमने शायद उपलब्ध न हों।

राकेश अचल

चरित्र और मानवीय आदर्श की कीमत पर विकास निरर्थक

हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैद्य जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता हैद्य बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।

यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंद्य सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैंद्य मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए द्य यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैद्य जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैद्य यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है।

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंद्य सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएद्यइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैद्य और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती हैद्य भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है। ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम, मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

क्या स्थानांतरण नीति रोक सकेगी भ्रष्टाचार की जड़ें?

[सुशासन की राह में रोड़ा- वर्षों तक जमे रहने वाले अधिकारी]

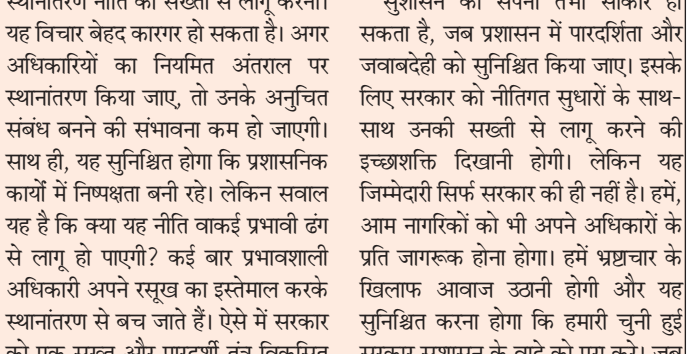

कल्पना करें एक ऐसे लोकतंत्र की, जहां सुशासन का सपना हर नागरिक का हक हो, लेकिन वही व्यवस्था भ्रष्टाचार की चपेट में डूबकर उस सपने को चूर-चूर कर दे। आज हमारा प्रशासनिक तंत्र उसी दोराहे पर खड़ा है, जहां पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी ने भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी कर दी हैं कि निष्पक्षता और ईमानदारी जैसे मूल्य कहीं खो से गए हैं। हाल ही में संसदीय स्थायी समिति की एक रिपोर्ट ने इस कड़वी सच्चाई को उजागर किया है। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि किसी भी मंत्रालय में अधिकारियों का एक ही स्थान पर वर्षों तक जमे रहना भ्रष्टाचार को जन्म देता है और प्रशासनिक कार्यों की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर हमारा प्रशासनिक ढांचा कहां चूक रहा है और इसे सुधारने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए।

रिपोर्ट में एक गंभीर तथ्य सामने आया है कि कई अधिकारी एक ही स्थान पर नौ से दस साल तक डटे रहते हैं। इस लंबे कार्यकाल के दौरान उनकी स्थिति इतनी मजबूत हो जाती है कि वे अपने प्रभाव क्षेत्र में एकछत्र राज स्थापित कर लेते हैं। सोचिए, जब कोई अधिकारी इतने लंबे समय तक एक ही जगह पर रहता है, तो उसके स्थानीय प्रभावशाली लोगों, ठेकेदारों और अन्य पक्षों के साथ रिश्ते कितने गहरे हो जाते होंगे। ये रिश्ते अक्सर रिश्वतखोरी, पक्षपात और अनियमितताओं को जन्म देते हैं। मिसाल के तौर पर, अगर कोई अधिकारी किसी सरकारी योजना के तहत फंड आवंटन का जिम्मेदार है और वह लंबे समय से उसी क्षेत्र में कार्यरत है, तो वह अपने करीबी ठेकेदारों को फायदा पहुंचा सकता है। ऐसे में निष्पक्षता की उम्मीद करना बेमानी है। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक तंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचाती है, बल्कि आम जनता के हितों को भी नजरअंदाज करती है।

भ्रष्टाचार की जड़ें सिर्फ प्रशासनिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह नीतिगत प्रक्रियाओं में भी गहरे तक फैल चुकी हैं। जटिल कर प्रणालियां, सरकारी योजनाओं में अनियमितताएं और जवाबदेही की कमी जैसे कारक भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। एक आम नागरिक के लिए सरकारी दफ्तरों में छोटे-मोटे काम करवाना भी किसी जंग से कम नहीं है। रिश्वतखोरी इस कदर हावी है कि बिना पैसे दिए फाइलें आगे नहीं बढ़तीं। सरकारी योजनाओं का लाभ भी असली हकदारों तक पहुंचने से पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। यह सब तब होता है, जब प्रशासन में निगरानी का अभाव होता है और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कोई ठोस तंत्र मौजूद नहीं होता। ऐसे में भ्रष्टाचार न केवल आर्थिक विकास को प्रभावित करता है, बल्कि सामाजिक असमानता को भी बढ़ाता है, जिसका सबसे ज्यादा खामियाजा गरीब और मध्यम वर्ग को भुगतना पड़ता है।

इस समस्या से निपटने के लिए संसदीय समिति ने एक ठोस सुझाव दिया है– स्थानांतरण नीति को सख्ती से लागू करना। यह विचार बेहद कारगर हो सकता है। अगर अधिकारियों का नियमित अंतराल पर स्थानांतरण किया जाए, तो उनके अनुचित संबंध बनने की संभावना कम हो जाएगी। साथ ही, यह सुनिश्चित होगा कि प्रशासनिक कार्यों में निष्पक्षता बनी रहे। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह नीति वाकई प्रभावी ढंग से लागू हो पाएगी? कई बार प्रभावशाली अधिकारी अपने रसूख का इस्तेमाल करके स्थानांतरण से बच जाते हैं। ऐसे में सरकार को एक सख्त और पारदर्शी तंत्र विकसित करना होगा, जिसमें किसी भी तरह की हेराफेरी की गुंजाइश न हो। मसलन, यह नियम बनाया जा सकता है कि कोई भी अधिकारी एक ही स्थान पर तीन से पांच साल से ज्यादा न रहे। इस समय-सीमा को सख्ती से लागू करने के लिए एक स्वतंत्र निगरानी समिति का गठन भी किया जा सकता है।

स्थानांतरण नीति के साथ-साथ प्रशासनिक निगरानी तंत्र को भी मजबूत करना होगा। आज के डिजिटल युग में तकनीक इस दिशा में एक बड़ा हथियार बन सकती है। ई-गवर्नेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए प्रशासनिक कार्यों को पारदर्शी बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों का चयन, फंड का आवंटन और उसकी निगरानी को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। इससे हर कदम पर पारदर्शिता बनी रहेगी और भ्रष्टाचार की संभावनाएं कम होंगी। इसके अलावा, प्रशासनिक अधिकारियों को जवाबदेह बनाने के लिए सख्त कानून बनाए जाने चाहिए।

कोई अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाता है, तो उसे कड़ी सजा का प्रावधान होना चाहिए, ताकि दूसरों के लिए यह एक सबक बन सके।

सुशासन का सपना तभी साकार हो सकता है, जब प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए सरकार को नीतिगत सुधारों के साथ-साथ उनकी सख्ती से लागू करने की इच्छाशक्ति दिखानी होगी। लेकिन यह जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं है। हमें, आम नागरिकों को भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा। हमें भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठानी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी चुनी हुई सरकार सुशासन के वादे को पूरा करे। जब तक प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही नहीं आएगी, तब तक भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना असंभव है। यह समय है कि हम एक ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ें, जहां निष्पक्षता और ईमानदारी प्रशासन की पहचान बनें, और हर नागरिक को यह भरोसा हो कि उसका हक उसे जरूर मिलेगा।

प्रो. आरके जैन

"एहसास कभी मिटा नहीं करते- जिंदगी के जीवन्त संवेदनाओं का एक काव्यसंग्रह"

कविता लिखना सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति का गहरा माध्यम है। वरिष्ठ युवा लेखक नृपेन्द्र अभिषेक नृप द्वारा रचित काव्यसंग्रह "एहसास कभी मिटा नहीं करते" एक अनमोल और उत्कृष्ट कृति है, जो हृदय की भावनाओं को सजीव करती है और पाठक के मन को तृप्त करती है। नृपेन्द्र जी ने अपनी लेखनी की ताकत से पूर्व में ही साहित्य जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है और अपनी जादुई रचनाओं के माध्यम से पाठकों के हृदय में हमेशा विराजमान रहे हैं।

नृपेन्द्र जी के काव्यसंग्रह "एहसास कभी मिटा नहीं करते" में उन्होंने अपने स्मरण, अनुभव, भावनाएँ और विचारों को बहुत ही सुंदर और आकर्षक तरीके से व्यक्त किया है। उन्होंने कविता के छंदों और अलंकारों को मनमोहक ढंग से सजाया है, जो पाठकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इस काव्यसंग्रह में जीवन के सभी रूपों का दर्शन मिलता है, जो सामाजिक मुद्दों, संघर्ष, प्रेम, स्मृति, उम्मीद और आत्म-खोज जैसे विषयों पर केंद्रित है। उन्होंने इस संग्रह को सरल और स्पष्ट शब्दों से अलंकृत किया है, जिससे पाठक इसे आसानी से पढ़कर समझ सकते हैं।

काव्यसंग्रह की प्रत्येक कृति में कवि की गहरी भावनाओं के साथ सुस्पष्ट अभिव्यक्तियाँ मौजूद हैं।पुस्तक का शीर्षक ÷एहसास कभी मिटा नहीं करते÷ अपने आप में जीवन को समेटे हुए है। एहसास एक ऐसी भावना है जो हमारे अनुभवों और यादों का हिस्सा बन जाती है। इस तरह लेखक शीर्षक के चुनाव के लिए प्रशंसा के पात्र हैं। इस काव्यसंग्रह में कुल 75 कविताएँ सुंदर भाषा-शैली के साथ शोभायमान हैं। संग्रह की प्रथम कविता 'शहर की सहर' गाँव की समरसता और शहरों के संघर्ष को दर्शाती है। पंक्ति—

"शहरों में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में, सब पीछे ही छूटते जाते हैं।"

यह पंक्ति शहरी जीवन की आलोचना करती है, जिसमें लोग एक-दूसरे से आगे निकलने की प्रतिस्पर्धा में अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्यों और मूल्यों को भूल जाते हैं।

कविता 'दोस्ती का अक्स' की प्रथम पंक्तियाँ—

"जब भी गिरा हूँ राह में, वो संभालता रहा,
बुरे वक्त में भी हर दर्द का मर्ज खोजता रहा।
खामोशियों में भी उसने सुनी है बात मेरी,
बिन कहे भी हर गम मेरा वो बाँटता रहा।"

ये पंक्तियाँ सच्ची दोस्ती की गहरी भावनाओं से भरी हैं। यहाँ दोस्त वह है जो हर परिस्थिति में साथ देता है—चाहे वह मुश्किल वक्त हो या खामोशी का पल। वह न केवल सहारा बनता है, बल्कि बिना कहे भी आपके दुख को समझता और बाँटता है। यह सच्ची दोस्ती की भावना का प्रतीक है—निस्वार्थ, संवेदनशील और अटूट।

कविता 'उसकी यादें क्यों हैं' अपने प्रिय के वियोग में गहरी भावनाओं को व्यक्त करती है। इसकी पंक्तियों में मौजूद विरह का दर्द पाठक के हृदय को छूता है।

वहीं, "बेरोजगार बेहाल है" कविता देश में व्याप्त बेरोजगारी और सरकार की नीतियों पर करारा प्रहार करती है। साथ ही, यह दिन-रात मेहनत करने वाले की दुर्दशा को बयान करती है। यह कविता उत्तेजना से भरी है और लेखक ने अपनी कलम का जादू बखूबी चलाया है।

'उन्हें अब वक्त नहीं' कविता असंवेदनशील होते रिश्तों पर प्रकाश डालती है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि लोग कैसे सिर्फ स्वार्थपूर्ति तक ही रिश्तों को महत्व देते हैं। कुल मिलाकर, इस काव्यसंग्रह की प्रत्येक कविता गहरे मनोभावों और संवेदनाओं से भरी हुई लाजवाब लेखनी का नमूना है।

नृपेन्द्र अभिषेक नृप का काव्यसंग्रह "एहसास कभी मिटा नहीं करते" एक ऐसी कृति है जो न केवल साहित्य प्रेमियों के लिए अनमोल उपहार है, बल्कि हर उस पाठक के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है जो जीवन के विभिन्न रंगों को गहराई से समझना चाहता है। उनकी लेखनी में संवेदनशीलता, सादगी और गहनता का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है, जो इस संग्रह को विशिष्ट बनाता है। यह काव्यसंग्रह पाठकों को आत्म-चिंतन के लिए प्रेरित करता है और भावनाओं के उस संसार में ले जाता है, जहाँ एहसास सचमुच कभी मिटते नहीं। निस्संदेह, यह पुस्तक हिंदी साहित्य में एक महत्वपूर्ण योगदान है और नृपेन्द्र जी की सशक्त लेखनी का प्रमाण है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रासंगिक रहेगी।

अंबिका कुशवाहा 'अम्बी'

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त ख़बरें

समय माता मन्दिर गुरचिहवा रामकथा में जुट रही भारी भीड़

बलरामपुर। समय माता मन्दिर गुरचिहवा विकास खण्ड पचपेड़वा में नवरात्रि प्रतिपदा से रामकथा. का आयोजन चल रहा है। कथा वाचिका साध्वी साधना के मधुर कंठ से रामकथा सुनने के लिये आस पास के गावों से भारी भीड़ जुट रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अमित तिवारी ने किया इस कार्यक्रम में विशेष रूप से महिलाओं की संख्या काफी हो रही है। संगीत मई राम कथा में महिला व पुरुष भाव विभोर हो जाते है। मन्दिर कमेटी के प्रबन्धक सतीश चन्द्र उर्फ पप्पू मिश्रा, गिरिजेश पाण्डेय, राम पाल यादव उर्फ छैलू यादव, अमित तिवारी एडवोकेट, रामलोटन मौर्या रवि गुप्ता गुड्डू प्रजापति पत्रकार रमेश कुमार यादव विजय पाल प्रजापति कल्लू भूज, कल्लू नेता, हरीराम प्रजापति, राम दास प्रजापति, रामसेवक, अखिलेश्वर पाण्डेय धाने, आदि लोग कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं पचपेड़वा पुलिस द्वारा शान्ति बनाये रखने के लिए जवानो की डियूटी भी लगाई जा रही है।

किशोर की मौत के मामले में रूरू अजय सिह का बड़ा बयान

बस्ती। बस्ती जिले के उभाई में एक किशोर की मौत का मामला लगातार राजनीतिक रंग लेता जा रहा है।मौत के पीछे पुलिस की पिटाई असली वजह बताई जा रही है। हालांकि इस मामले में मजिस्ट्रेटियल जांच भी शुरू हो गई है ।वहीं लगातार परिजनों के घर पर सपा ,कांग्रेस सहित अन्य तमाम दलों के बड़े नेता पहुंच रहे हैं। इस मामले में हरैया विधायक अजय सिंह पर एक सिपाही को बचाने का भी आरोप तेजी से लगाया जा रहा है ।जिस पर हरैया विधायक अजय सिंह ने आज उभाई गांव में पहुंचकर परिवार के लोगों से मुलाकात किया उनका दर्द सुना है। विधायक में जानकारी देते हुए बताया कि मेरा कोई गनर वह सिपाही नहीं था जिस पर पिटाई का आरोप है ।इसके साथ ही विधायक ने कहा कि जिस थानाध्यक्ष को बचाने का आरोप लगाया जा रहा है वह केवल सिंह लिखता है ,जबकि वह मेरा कोई रिश्तेदार नहीं है वह सैथवार बिरादरी का है ।इसके साथ ही विधायक ने कहा कि वह पीड़ित परिवार के साथ पहले दिन से खड़े थे और आगे भी खड़े रहेंगे। उन पर जो लोग भी जातीय राजनीति का आरोप लगा रहे हैं वह सभी आरोप पूरी तरह निराधार है।

कर्मचारियों ने फूंकी यूपीएस की प्रतियां, पुरानी पेंशन की मांग

बस्ती। बस्ती जिले में मंगलवार को पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर मोर्चा जिला अध्यक्ष अभिषेक के नेतृत्व में कर्मचारियों ने कृषि भवन के निकट यूपीएस की प्रतियां जलाई। मांग किया कि केन्द्र और राज्य की सरकार पुरानी पेंशन नीति को बहाल करे, यूपीएस की नीतियां कर्मचारी विरोधी है और इस नियम से सेवा निवृत्ति के बाद उनका जीवन पूरी तरह से असुरक्षित है।यूपीएस को काला कानून बताते हुये कर्मचारी नेताओं ने मांग किया कि पुरानी पेंशन नीति को तत्काल प्रभाव से बहाल किया जाय। यूपीएस की प्रतियां जलाकर विरोध करने वालों में मुख्य रूप से यूपी एग्रीकल्चरल डिपार्टमेन्ट मिनीस्ट्रीय सर्विसेज एसोसिएशन जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, उत्तर प्रदेश सरकार स्टेनोग्राफर महासंघ के सचिव डीएन वर्मा, अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के मण्डल अध्यक्ष अम्बिकेश प्रताप सिंह के साथ ही सूरज वर्मा, पवन मिश्रा, दिलीप, विजय, दीनानाथ, अमित चौधरी, दुर्गेश, राजेन्द्र चौधरी, जितेन्द्र मिश्र, वीरेन्द्र दूबे, धीरज मौर्य, क्षितिज वर्मा, सन्तोष कुमार, वृजेश निषाद, सुरेन्द्र चौधरी, संदीप अमेटा, अमित, हरिओम पटेल, सुमित कुमार, हरिलाल जैसवार, रामकृष्ण शुक्ल, मुकेश कुमार के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के लोग शामिल रहे।

लड़खड़ाते हुए पटरी पर चल रहा चोली और दामन का साथ

● पत्रकारों के उत्पीड़न की बढ़ रही घटनाएं

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर। किसी समय में पुलिस और पत्रकार का साथ चोली दामन का साथ माना जाता कहा जाता था परन्तु यह भी सत्य है। की अब चोली और दामन दोनों में काफी कमी होती जा रही है। माना जा सकता है कि जब न चोली है और न दामन है तो साथ कैसा इन शब्दों को लिखने की आवश्यकता इसलिए पड़ी कि वर्तमान परिस्थिति में पत्रकार - और पत्रकारिता पर घोर संकट दिखाई पड़ रहा है सीतापुर के पत्रकार राघवेन्द्र वाजपेई की हत्या 8 मार्च को हो गई जो इस बात का जीता जागता सबूत है। इसी प्रकार बहराइच में एक प्रेस कांफ्रेस में जा रहे 8 पत्रकारों की मोटर सायकिलों का बहराइच पुलिस ने चालान कर दिया लखीमपुर खीरी में भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने वाले पत्रकारदीपक पंडित को जेल भेज दिया ।इ0 चालानों व पत्रकारों को जेल भेज कर पुलिस क्या संदेश देना चाहती। यह तो वही जाने। लेकिन पत्रकारिता को समाज का दर्पण कहा जाता था जिस पर यू पी पुलिस काली कपड़ा डाल कर दर्पण को ही ढकने का काम किया है। इससे बड़ा और चौंकाने वाला मामला देखने को मिला जब सादुल्लाह नगर के पत्रकार अशोक पाल ने सोशल मीडिया पर रोते हुये यहा कहा कि पुलिस मुझे परेशान कर रही है मेरे ऊपर गम्भीर धाराओं में मुकदमा लिख कर मुझे जेल भेजना चाहती है। इसके अलावा भी अशोक पाल ने कई आरोप लगाये इस पुलिस अधीक्षक बलरामपुर ने जबाव भी दिया है कि यह दो भाइयों के बंटवारे का मामला है पुलिस ने दोनों भाइयों का बंटवारा करा दिया है। अभी बीते सप्ताह पड़ोसी देश नेपाल में राजशाही की पुनः वहाली की मांग हो रहे आन्दोलन का कवरेज कर रहे एक पत्रकार बन्धु को अपने जान से हाथ धोना पड़ा है। पूर्व से भी पत्रकारों के उत्पीड़न की घटनायें सामने आती रही है। मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ जी समय समय पर पत्रकारों की सुरक्षा सर्वोपरी रखने का दावा करते रहे हैं। उच्चतम न्यायालय का आदेश समय समम पर आता रहता है कि पत्रकारों से सूत्र पूछने जैसा काम नहीं किया जा सकता इन सबके बावजूद भी यदि पत्रकोरों के उत्पीड़न व हत्या की जैसे मामले आ रहे हैं। तो स्वयं समझ में आ जाना चाहिये कि पुश्त दर पुश्त चले आ रहे चोली दामन के साथ में दरार का गई है।

छपिया सुखरामपुर में गेहूं के खेत में अज्ञात कारण से लगी आग

जरवा(बलरामपुर) थाना तुलसीपुर अंतर्गत भाजपा के पूर्व विधायक शैलेश सिंह शैलू के छपिया सुखरामपुर स्थित गेहू के खेत में अज्ञात कारण से लगी आग में लगभग 4 बीघा गेहू की फसल खाक ग्राम छपिया सुखरामपुर निवासी सरदार पहलवान सिंह ने बताया कि हम अपने खेत में गेहूं फसल की तैयारी देख रहे थे कि अचानक विधायक शैलू सिंह के खेत में जलते हुए आग की लपटें देखी हमने फौरन दमकल की टीम को फोन किया तथा गांव वालों को इकट्ठा कर उनकी मदद से आग को बुझाने में लग गया। दमकल की टीम आने में देर लगी तो हमने ब्लॉक प्रमुख जगदंबा सिंह शक्ति को फोन किया शक्ति सिंह के फोन पर दमकल की टीम देवीपाटन मेले से आकर पहुंची और आग पर काबू पाते तब तक चार बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो चुकी थी।

प्राथमिक विद्यालय चमरहिया हर्रैया,नव प्रवेषोत्सवऔर स्कूल चलो अभियान कार्य क्रम पूर्ण उत्साह के साथ मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के प्राथमिक विद्यालय चमरहिया हर्रैया, में विद्यालय के नये सत्र के प्रारंभ के अवसर पर नव प्रवेषोत्सव और स्कूल चलो अभियान कार्य क्रम पूर्ण उत्साह के साथ मनाया गया। सर्व प्रथम माँ सरस्वती के टीवीचित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर प्रधानाध्यापिका भारती शुक्ला ने कार्य क्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय में नामांकन को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत शोभायात्रा निकाल कर सभी ग्राम वासियों एवं अभिभावकों से संपर्क किया गया। सब पढ़े, आगे बढे। सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा। शिक्षा है सबका अधिकार। हर घर में एक दीप जलेगा, हर बच्चा स्कूल चलेगा आदि संदेश के साथ बच्चे उद्घोष कर रहे थे। नये शिक्षा सत्र के शुभ अवसर पर नये बच्चों को प्रवेश दिया गया। विद्यालय को सजाया गया। बच्चों को तिलक, लगाकर तथा मिष्ठान से स्वागत किया गया। बच्चों को विद्यारंभ संस्कार मंत्रोच्चारण के साथ कराया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका भारती शुक्ला ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत शिक्षा रोचक प्रभावी तथा गुणवत्ता युक्त हो गई है। शिक्षा के द्वारा बच्चों के कोमल मन को संस्कार के साथ शिक्षित करने की संकल्पना है। सरकार बच्चों को निःशुल्क यूनीफॉर्म, बैग, जूता मोजा, स्वेटर फल, दूध और मेनू के अनुसार मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। आपरेशन कायाकल्प से विद्यालय में भौतिक संसाधन और सौन्दर्य तथा हरियाली युक्त शिक्षा का वातावरण विकसित हो रहा है। योग प्राणायाम, खेल, चित्र कला के द्वारा बच्चों के संतुलित व्यक्तित्व निर्माण का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर सहायक अध्यापक सुरभि पटेल, विजय कुमार, रसोइया कौशिल्या, उर्मिला के साथ छात्र छात्राओं और अभिभावकों ने प्रतिभाग किया।

पीड़ित ग्राम प्रधान ज्योति देवी ने उच्च अधिकारियों से फर्जी हस्ताक्षर की जांच कर कार्यवाही की किया मांग

● पूरे कार्यकाल में हुए भुगतान के हस्ताक्षर की हो जांच- ज्योति देवी पीड़ित ग्राम प्रधान- बैंक के अलावा किसी अन्य सरकारी भुगतान के कागजातों पर हमने हस्ताक्षर नही किया- ज्योति देवी पीड़ित ग्राम प्रधान

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के साहूघाट विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत ओड़वारा की ग्राम प्रधान ज्योति देवी अपने अधिकार के लिए दर - दर भटक रही है और उच्च अधिकारियों से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है । पीड़ित ग्राम प्रधान ने पति वीरेन्द्र चौधरी एवं सचिव पर फर्जी हस्ताक्षर के सहारे सरकारी धन हड़पने समेत अन्य गंभीर आरोप लगाया है । पीड़ित ग्राम प्रधान ने अपने पति व सचिव के द्वारा फर्जी हस्ताक्षर कर अपने कार्यकाल में हुए समस्त भुगतान पर किये गये हस्ताक्षर की जांच की मांग किया है । पीड़ित ग्राम प्रधान ने मीडिया को बताया कि हम जब से ग्राम पंचायत ओड़वारा की ग्राम प्रधान पद का कार्यभार ग्रहण किया है तब से मात्र बैंक के कागजातों पर हस्ताक्षर किया है न तो किसी बैठक में न तो किसी विकास कार्यों हेतु सरकारी धन भुगतान मे किसी कागजात पर कोई हस्ताक्षर किया है । अपने लगभग 04 वर्षों के कार्यकाल में मुझे कोई जानकारी नही है कि ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर कितने धन खर्च किए गये है । मेरे पति वीरेन्द्र चौधरी सचिव समेत अन्य जिम्मेदार ब्लाक अधिकारियों की सांठ-गांठ करके बिना मेरे सहमति के फर्जी हस्ताक्षर के सरकारी धन का धड़ल्ले से दुरुपयोग किया जा रहा है और पति वीरेन्द्र कुमार द्वारा ग्राम प्रधान का पूरा अधिकार छीन लिया गया है । कि ज्योति देवी पत्नी वीरेन्द्र चौधरी साकिन-ओड़वारा, पोस्ट ओड़वारा, ब्लाक साऊघाट, थाना-मुण्डेरवां, जिला बस्ती हालमुकाम-पुत्री रामजियावन साकिन गोनहा पोस्ट वेलवरिया जंगल, थाना गौर, जिला बस्ती की निवासिनी हूँ। पीड़ित ग्राम प्रधान की शादी सन् 2014 में वीरेन्द्र चौधरी पुत्र रामनवल के साथ हिन्दू रीति रिवाज से पूरे दोनों पक्ष के सहमति से विकासखण्ड गौर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत गोनहा में पिता के दरवाजे पर सम्पन्न हुई थी । शादी के बाद से ही पीड़िता के पति व उनके परिवार के लोगों द्वारा पीड़ित ग्राम प्रधान को परेशान किया जा रहा थी लेकिन पीड़िता किसी तरह से जीवन निर्वाह कर रही थी । वर्ष 2018 में एक पुत्र पैदा हुआ था जिसका नाम रीदम चौधरी है। मेरे पति, देवर, देवरानी व जेठ, जेठानी बराबर प्रताड़ित करते है । कई बार मारे पीटे भी है तथा बार-बार घर से निकालने की कोशिश भी किया है तथा उक्त लोगों के द्वारा तरह-तरह षडयंत्र रचकर पीड़िता को मार डालने का भी प्रयास किया गया था उक्त घटना को लेकर कई बार शिकायत भी किया था लेकिन राजनीतिक पकड़ मजबूत होने के कारण / पैसे के बल पर बच जाते हैं तथा पीड़िता के साथ घरेलू हिंसात्मक तरीके से बराबर पेश आते है वर्तमान मे पीड़िता ग्राम प्रधान है लेकिन जबरदस्ती मेरे ससुराल के लोग प्रधान प्रतिनिधि बनकर विकास कार्य में बाधा उत्पन्न करते रहते है जिसकी सूचना भी पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक बस्ती को दे चुकी है । लेकिन मुण्डेरवा पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही पति समेत अन्य परिवार के सदस्यों के विरूद्ध नही की जा रही है। जिससे इनका मनोबल बढ़ता जा रहा है। इसलिए उक्त लोगों के द्वारा हम पीड़िता को बराबर गाली, गुप्ता मारने पीटने की प्रताड़ना देते रहते है जिससे पीड़िता का जीना दुश्वार हो गया है। जब कहीं भी मेरे हस्ताक्षर की जरूरत पड़ती है तो सब लोग अपने मे राय मिलाकर मेरा फर्जी हस्ताक्षर बनाकर सब कुछ ले लेते है। तथा बराबर कार्य मे बाधा उत्पन्न करते रहते है। इसकी सूचना भी दी गयी थी लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई। एक बार दिनांक 26.08.2022 को ही पीड़िता को काफी परेशान कर दिये थे तो शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया था। दोनों पक्षों को महिला थाने पर बुलाकर माफी व सुधरने का मौका लेते हुए सुलह करवाकर मामले का निस्तारण करा दिया गया था तब से आरोपी काफी नाराज चल रहे थे तथा पीड़िता को तरह-तरह से प्रताड़ना देते रहे। दिनांक 08.02.2025 को पीड़िता को थाने पर बुलाकर फिर समझौता करके मुझे घर ले गये तथा मेरा अधिकार ग्रामसभा का डोंगल (हस्ताक्षर बेरीफिकेशन) का पेन ड्राइब छीनकर मुझे उसी दिन घर से निकाल दिये तथा मेरे अधिकार का गलत फायदा उठाकर अनुचित लाभ ले रहे है वर्तमान समय में पीड़िता अपने मायके है। लेकिन आरोपियों द्वारा पीड़िता को बराबर धमकी दिया जा रहा है।

प्राथमिक विद्यालय गोंदीपुर से किया स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ

● प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सरकार द्वारा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में दी जा रही कॉन्वेंट स्कूलों से बेहतर सुविधाएं , कोई भी बच्चा शिक्षा से न रहे वंचित इसके लिए चलाया जा रहा स्कूल चलो अभियान- विधायक बलरामपुर सदर

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर जनपद में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ विधायक बलरामपुर सदर पल्टूराम एवं डीएम पवन अग्रवाल द्वारा विकास खंड बलरामपुर के प्राथमिक विद्यालय गोंदीपुर से किया गया। इस अवसर पर स्कूल के छात्र - छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस दौरान विधायक बलरामपुर सदर पल्टूराम एवं डीएम द्वारा स्कूल के छात्रों को पाठ्य पुस्तक एवं सामग्री का वितरण किया गया। एवं स्कूल चलो रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर विधायक बलरामपुर सदर पल्टूराम ने कहा कि सभी को शिक्षा के अधिकार के तहत प्रदेश की यशस्वी मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सरकार द्वारा अभूतपूर्व कार्य करते हुए प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की मिशन कायाकल्प के तहत सूरत बदलने का कार्य किया गया है , प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कॉन्वेंट स्कूलों से बेहतर सुविधाएं मिल रही है , प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास का माध्यम से बच्चों को रुचिकर शिक्षा प्रदान की जा रही। कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे इस हेतु स्कूल चलो अभियान चलाया जा रहा।इस अवसर पर डीएम पवन अग्रवाल ने

कहा कि स्कूल चलो अभियान के तहत शतप्रतिशत नामांकन कराए जाना सुनिश्चित किया हुए , कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहें। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य है , सभी आगे चलकर विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ेंगे , सभी को बेहतर शिक्षा प्रदान करे, जिससे आने वाले समय में सभी बेहतर करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान करें।इस दौरान बेसिक शिक्षा विभाग शुभम शुक्ल, बृजेंद्र तिवारी व अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

4 अरब से ज्यादा का हुआ मुख्य कोषागार से बिलों का भुगतान

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता के निर्देशन में मुख्य कोषागार कार्यालय में वित्तीय वर्ष 2024-25 के विभागीय बिलों का अंतिम पारण एवं भुगतान कार्य देर रात तक संचालित रहा। मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति अपने कर्मठ एवं कर्तव्यनिष्ठ पटल सहायकों के साथ पूर्ण मनोयोग से बिलों के भुगतान एवं पारण कराने में तल्लीन रहे। उन्होंने बताया कि विभागीय कार्यालयों से प्राप्त सभी बिलों का भुगतान एवं पारण नियमानुसार किया जा रहा है। कुछ विभागों के बजट आज 31 मार्च को एलाटमेंट होने के कारण उनके द्वारा प्राप्त कराये गये बिलों का भुगतान कराया जाना प्रक्रियाधीन है और अंतिम समय तक उसका निपटान कर दिया जायेगा। दिये गये निर्देश के बाद आज सायं 5 बजे के बाद कोई बिल पारण हेतु नहीं लिया गया। आज प्राप्त एलाट बजट में पुलिस विभाग के 1.5 करोड़, नगर पालिका के 65 लाख, बेसिक शिक्षा का 22 लाख तथा पीडब्लूडी का 10 लाख रूपये का बिल प्राप्त हुआ है जिसके भुगतान की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि शाम 5 बजे तक 26,24,97006.00 (छब्बीस करोड़ चौबीस लाख सत्तानबे हजार छः) की धनराशि का भुगतान किया गया। जबकि अंतिम समय तक यह संख्या लगभग 30 करोड़ होने की संभावना है। माह मार्च में अब तक कुल 4 अरब 90 करोड़ 32 लाख की धनराशि के बिलों का पारण/भुगतान हुआ है। इसके अलावा अब तक सरकारी प्राप्तियों में लगभग 93 करोड़ 93 हजार आठ सौ पचासी की धनराशि आंतरित की गयी है।

आज लगभग 300 से अधिक टोकन जनरेट किये गये।कोषागार के सहायक कोषागार अधिकारी सुबाष चन्द्र दूबे, वरिष्ठ लेखाकार आलोक श्रीवास्तव, अखिलेश पाठक, भूपेश विश्वकर्मा, शशिकांत, सूरज, रवि, सीमा, सोनल, प्रिन्स, सौरभ केसरवानी सहित सभी कर्मचारी पूर्ण निष्ठा एवं लगन से वित्तीय वर्ष 2024-25 के कार्य निष्पादन में अपनी महत्वपूर्ण निभायी। उत्कृष्ट कार्य सम्पादन के लिए मुख्य कोषाधिकारी ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

अज्ञात कारण से लगी आग,आग से एक घर व दो घारी सहित पांच बकरियां जलकर राख

जरवा(बलरामपुर)। कोतवाली जरवा के बघेलखंड चौकी अंतर्गत ग्राम विश्रामपुर रामपुर के मजरा छोटकी चौहत्तर में अज्ञात कारण से लगी आग से एक घर व दो घारी सहित पांच बकरियां जलकर राख। पशुपालक बैतुल्लाह ने बताया कि वह पास के नरयणापुर चौराहा घर के लिए जरूरी सामान लेने गया था सूचना मिली घर आकर देखा कि पशुशाला और उसमें बंधी पांच बकरी को जलाकर आग मेरे आधे घर को पकड़े हुए हैं जिसमें रखा अनाज (गेहूं, चावल, मसूर), ड्रम, चूल्हा इत्यादि जल रहा था तथा मेरी पत्नी, बच्चे व गांव वाले आग को बुझाने की कोशिश कर रहे थे। धीरे-धीरे आग ने अकमल की पशुशाला को भी अपनी जद में ले लिया लेकिन तब तक अकमल ने उनके जानवरों की रस्सी काटकर खेतों में भगा दिया था जिससे उनका केवल जानवरों का चारा ही जला। प्रधान प्रतिनिधि सुरेश यादव ने बताया कि आग पहले पंचायत सचिवालय के पास बने बैतुल्लाह के घर से बढ़कर पंचायत सचिवालय में भी पहुंच गया पंचायत सचिवालय के पीछे बने स्टोर रूम का दरवाजा जल गया तथा ऊपर रखे सिंटेक्स का टंकी और पाइपलाइन जलकर राख हो गई आग से दीवार गर्म हुई और फट गई है।

अकरू, फ़ज़ल, निरहू, अहमदुल्लाह, चंपू, मलहू आदि ने बताया कि जंगल के किनारे किनारे हमारा खेत है जंगल में लगभग 4 दिन से आग लगी हुई है पहले आग धीरे-धीरे लगी थी लेकिन आज सुबह 10बजे बढ़ गई जिसे हमने अपने ट्रैक्टर से जंगल के किनारे किनारे के खेत की जुताई कर आग को खेत तक बढने से रोका। जुताई में हमारे गेहूं की फसल व गन्ने की पेड़ी का नुकसान हुआ है लेकिन खेत तक आग नहीं पहुंचने दिए। गौरा निवासी रफीक ने बताया कि हमारे गन्ने की लगभग 15 विश्वा पेड़ी फसल जल चुकी थी शेष को मौके पर जाकर बुझा दिया गया।

रोजगार सेवक सुरेश यादव सूचना पर मौके पर पहुंचे और दमकल की टीम और कोतवाली जरवा फोन कर घटना की जानकारी दी दमकल की दो गाड़ियां मौके पर आई और राहत बचाव कार्य में लग गई। हल्का लेखपाल रमेश वर्मा ने बताया कि क्षति का आकलन कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जा रही है। बघेलखंड चौकी प्रभारी जितेंद्र बहादुर ने बताया की जानकारी मिलते ही पुलिस बल के साथ मौके पर जाकर राहत बचाव कार्य में लग गया था। धीरे-धीरे आग पर काबू पा लिया गया है। खबर लिखे जाने तक जंगल की आग पर काबू नहीं पाया जा सका था दमकल की गाड़ियां व किसान आग बुझाने में लगी हुई है।

ईद के मौके पर कोयलाबास जरवा घूमने आए बाइकर्स की तेज रफ्तार का कहर कइयों पर टूटा, किसी का सिर फूटा, किसी का सीना टूटा और किसी का हाथ पैर सिर सब फूटा, खून से लाल हुई सड़क

जरवा(बलरामपुर)। कोतवाली जरवा क्षेत्र स्थित कोयलाबास, इको पर्यटन जरवा, दारा नाला नेचर ब्यूटी, रहिया देवी मंदिर आदि घूमने आए बाइक सवारों का कहर क्षेत्र वासियों पर इस तरह टूटा कि सोमवार शाम 5ः00 बजे ईद मिलन को मदरहवा गांव अपने समधी मुस्तफा के यहां पैदल जा रहे 48 वर्षीय इसरार निवासी हलौरा को अपाची बाइक सवार दो युवकों ने जोर की टक्कर मार दी। जिससे वह सड़क पर गिर पड़े और सिर फूट गया तथा हाथ व पैर में चोट आई। बाइक सवार गाड़ी नहीं रोके और भाग गए। गांव के कुछ लोगों ने पीछा किया लेकिन पकड़ नहीं पाए। इसरार के समधी मुस्तफा को गांव के लोगों ने बताया और 112 तथा एंबुलेंस को फोन किया सिर से खून ज्यादा गिरने और एंबुलेंस देर में पहुंचने को देखते हुए मोटरसाइकिल पर ही बैठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर इलाज हेतु ले जाया गया।

दूसरी घटना- सोमवार शाम 4ः00 बजे आलोक रंजन सिंह उम्र 38 वर्ष निवासी की दत्तापुर भगवानपुर तुलसीपुर से अपने घर जा रहे थे। तेज रफ्तार बाइक सवार युवकों ने सरयू नहर के पास आमने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह मोटरसाइकिल सहित सड़क पर रगड़ते हुए गिर पड़े। सिर फूट गया हाथ व पैर में

गंभीर चोट आई तथा कंधे और सीने की हड्डी टूट गई। घायल के भाई सोनू सिंह ने बताया कि भाई आलोक रंजन सिंह तुलसीपुर से घर आ रहे थे सूचना मिली कि उनका दुर्घटना हो गया है हम परिवार सहित फॉरेन घटनास्थल पर पहुंचे और अपनी कर में लड़कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर पहुंचाएं जहां से उन्हें रेफर कर बलरामपुर जिला अस्पताल भेज दिया गया था। अभी वहीं पर इनका इलाज चल रहा है। हाथ में गंभीर चोट आई है तथा सिर में टांके लगे हैं और कंधे और सीने की हड्डी टूट गई है।

तीसरी घटना- श्रावस्ती से कोयलाबास घूमने आए 22 वर्षीय सद्दाम व उनके एक साथी कोयलावास जा रहे थे पीछे से आ रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल बगल से कट मार कर तेजी से निकली की वह मोटरसाइकिल सहित सड़क से नीचे 8 फीट गहरी खाई में कूद गए। मोटरसाइकिल टूट गई और उन्हें हाथ व पैर में हल्की चोटें आई। राहगीरों ने जैसे तैसे मोटरसाइकिल को बाहर निकाला और उन्हें घर

भेजा। प्रत्येक त्यौहार में तुलसीपुर से जरवा पीडब्लूडी मार्ग पर होती है बाइक राइडिंग- ग्राम मदरहवा प्रधान मैराज खान, भगवानपुर प्रधान सलमान खान, जरवा प्रधान शकील, अजय प्रताप सिंह, सुनील, रहीम आदि ने बाइक राइडिंग पर लगाम लगाने की मांग करते हुए कहा कि त्योहारों पर क्षेत्र में बहुत भीड़ होती है बाइक राइडर के डर से हम सभी सड़क पर नहीं निकलते। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर अधीक्षक विकल्प मिश्रा ने बताया कि घायलों का प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था।कोतवाली जरवा प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार ने बताया की जानकारी नहीं मिली है प्रार्थना पत्र मिलने पर छानबीन की जाएगी।

ग्राम पंचायत तेंनुआ में चला नजरबंदी का खेल एक ही व्यक्ति का दो जगह लगी फर्जी अटेंडेंस

● एक ही समय पर दो अलग-अलग दोनों स्थानों से प्राप्त कर रहा भुगतान

मलाई में व्यस्त अधिकारी पंचायत के कार्यों की नही करते निरीक्षणसवालों के घेरे में वित्तीय पारदर्शिता और अधिकारियों की जवाबदेही

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। जिले मे में भ्रष्ट अधिकारियों की मनमानी से भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमाओं को तो पार कर रही है साथ ही साथ योगी सरकार के जीरो टारलेंस नीतियों का खुलेआम उल्लंघन कर भाजपा सरकार की छवि को धूमिल करने मे आमदा है, ताजा मामला ग्राम पंचायत तेंनुआ का है जहा पर एक ही व्यक्ति एक ही समय पर दो अलग-अलग स्थानों पर काम कर दोनों स्थानों से भुगतान प्राप्त कर रहा है। विकासखंड सल्टौआ के ग्राम पंचायत तेनुआ में खुल्लेआम हुऐ भ्रष्टाचार की हकीकत जानने के बाद जनता की सांस ऊपर-नीचे होना तय है ग्राम पंचायत तेनुआ के ग्राम प्रधान जिम्मेदारों की संलिप्तता से नियम कानून को रौंदते हुए अपनी जिम्मेदारी और पारदर्शिता को धूमिल कर रहे है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतों के लिए नियमावली है, जिसमें समितियों के गठन और उनके कार्यों का उल्लेख किया गया है कि समितियों में नियोजन एवं विकास समिति, शिक्षा समिति, निर्माण कार्य समिति, स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति, प्रशासनिक समिति, और जल प्रबंधन समितियों के कार्यों में ग्राम विकास की योजना बनाना, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी करना, निर्माण कार्यों की देखरेख करना, और जल प्रबंधन की व्यवस्था करना शामिल है। सूत्रो से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड सल्टौआ के ग्राम पंचायत तेंनुआ में ग्राम प्रधान के साथ-साथ तैनात सरकारी नुमाइंदे भी जनता के धन को लूटने में जरा सा भी चूक नही कर रहे है ग्राम पंचायत तेनुआ में

भौखरी में खड़ंजा मरम्मत कार्य में मजदूर 01/03/2022 से 31/03/2022 तक काम कर रहा है और वहीं मजदूर भौखरी में त्रिवेणी के बोरिंग से बाग तक सीसी रोड निर्माण कार्य में 22/03/2022 से 28/03/2022 तक काम कर रहा है अब आप सोचिए कि एक ही व्यक्ति दो साइड पर एक ही समय पर कैसे काम कर सकता है। हैरान करने वाली बात है कि इसे जिम्मेदारों अधिकारियों की चूक कहा जाये या फिर मौन स्वीकृत अब देखना यह दिलचस्प होगा कि जिम्मेदारों के द्वारा कार्रवाई की जाती है फिर मामले में लीपापोती कर दिया जायेगा।

कर्मचारियों ने बाइक रैली निकालकर जताया विरोध

चित्रकूट ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के 15 लाख शिक्षक कर्मचारियों सहित देश के लगभग एक करोड़ शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों व अर्धसैनिक बलों को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा पुरानी पेंशन व्यवस्था को समाप्त कर शोषणकारी व विभेदकारी नई पेंशन व्यवस्था तथा एकीकृत पेंशन व्यवस्था लागू कर दी गई है, जो न तो शिक्षक, कर्मचारियों अधिकारियों के हित में है और न ही प्रदेश व देश के हित में है। अब तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगे हैं। एनपीएस के तहत सेवानिवृत होने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों को रुपए 700 तो किसी को 2625, 4500, 4744 पेंशन प्राप्त हो रही है। वहीं यूपीएस में शिक्षक, कर्मचारियों व अधिकारियों के द्वारा अपनी पूरी नौकरी के दौरान वेतन से की गई कटौती भी पूरी वापस नहीं की जाएगी। यूपीएस में भी एनपीएस की तरह अनेकों विसंगतियां हैं, इन विसंगति पूर्ण पेंशन योजनाओं से बुढ़ापे में जीवन यापन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। देश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले अर्धसैनिक बलों को भी पुरानी पेंशन व्यवस्था से वंचित कर दिया गया है। देश भर के के शिक्षकों, कर्मचारियों व अधिकारियों का सबसे बड़ी ज्वलंत समस्या पुरानी पेंशन की बहाली है।

जिसकी बहाली हेतु अटेवा के बैनर तले पूरे देश में पुरानी पेंशन बहाल न किए जाने पर मंगलवार को समस्त शिक्षक, कर्मचारी, ट्रैड यूनियन, फेडरैशन संघ, महासंघ द्वारा काला दिवस, आक्रोश मार्च व विरोध दिवस मनाया गया। जिसमें शिक्षकों, कर्मचारियों व अधिकारियों में एकजुटता तथा जबरजस्त उत्साह देखने को मिला। सभी कर्मचारियों ने मिलकर काली पट्टी बांधकर विरोध जताते हुये बीएसए कार्यालय के पास से जिलाधिकारी कार्यालय तक बाइक रैली निकाली। इसके बाद

जिलाधिकारी षिवषरणप्पा जीएन के माध्यम से प्रधानमंत्री को पुरानी पेंशन बहाल किए जाने हेतु ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही एक मई को दिल्ली के जंतर-मंतर मे देश के कोने-कोने से पहुँचकर पुरानी पेंशन के लिए हुंकार भरी जाएगी। इस मौके पर अंर्तजनपदीय षिक्षक वेलफेयर एसोसिएषन के प्रदेष अध्यक्ष कमलेष कुमार पांडेय, जिला संरक्षक महेन्द्र सिंह पटेल, अटेवा के जिला संयोजक राजेश कुमार यादव, जिला मंत्री मथुरा प्रसाद वर्मा, कोषाध्यक्ष कमलेश कुमार गुप्ता, ब्लॉक मंत्री महेश प्रसाद पटेल समेत अन्य सभी समर्थित संगठनों के पदाधिकारी सहित समस्त शिक्षक, कर्मचारी मौजूद रहे।

महाकुंभ में वायरल मोनालिसा को फिल्म ऑफर करने वाले डायरेक्टर सनोज मिश्रा गिरफ्तार!

लगे रेप, मारपीट और गर्भपात कराने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। महाकुंभ में वायरल मोनालिसा को फिल्म ऑफर करने वाले डायरेक्टर सनोज मिश्रा गिरफ्तार, कर लिए गए। उनके ऊपर रेप, मारपीट और गर्भपात कराने के आरोपी बनाए गए है। शिकायत के अनुसार, आरोपी पिछले चार वर्षों से उसके साथ मुंबई में लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रहा था. उसने आरोप लगाया कि उसे तीन बार गर्भपात कराने के लिए मजबूर किया गया. प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले में वायरल गर्ल मोनालिसा को फिल्म में काम करने का ऑफर देने वाले निर्देशक सनोज मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. उन पर बलात्कार के साथ मारपीट, गर्भपात कराने, धमकी देने का आरोप है. आरोप है कि सनोज मिश्रा ने एक छोटे कस्बे से आने वाली, लड़की के साथ ना केवल बलात्कार किया बल्कि तीन बार उसका गर्भपात भी कराया. सेंट्रल दिल्ली पुलिस के नबी करीम थाने की टीम ने निर्देशक सनोज मिश्रा को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है. 6 मार्च 2024 को 28 वर्षीय महिला की शिकायत के आधार पर बलात्कार, मारपीट, गर्भपात कराने, धमकी देने की धाराओं के तहत थाना नबी करीम में एफआईआर दर्ज की गई थी. पीड़िता की शिकायत के अनुसार, आरोपी पिछले चार वर्षों से उसके साथ मुंबई में लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रहा था. उसने आरोप लगाया कि उसे तीन बार गर्भपात कराने के लिए मजबूर किया गया. उसने एफआईआर में आरोप लगाया है कि 18 फरवरी 2025 को आरोपी, शिकायतकर्ता को नबी करीम के होटल शिवा में लाया और शारीरिक संबंध बनाए. बाद में वह उससे शादी करने के अपने वादे से मुकर गया. इसके बाद शिकायतकर्ता ने सीआरपीसी की धारा 164 के तहत अपने बयान में भी आरोपों का समर्थन किया. जांच के दौरान मुजफ्फरनगर से गर्भपात से संबंधित मेडिकल पेपर एकत्र किए गए. दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है. इसके बाद 45 वर्षीय आरोपी सनोज मिश्रा को पुलिस ने गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया. जानकारी के अनुसार आरोपी शादीशुदा है और परिवार के साथ मुंबई में रहता है। आरोप है कि झांसे से आरोपी उसे एक रिसॉर्ट में ले गया और नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया. पीड़िता ने एफआईआर में यह भी बताया कि आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बना लिए और धमकी दी कि अगर उसने विरोध किया, तो वह इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देगा. इसके बाद उसने शादी का झांसा देकर कई बार अलग-अलग जगहों पर बुलाकर शारीरिक संबंध बनाए. इसके साथ ही फिल्मों में काम दिलाने का लालच भी दिया. इस खबर को एनडीटीवी टीम ने संपादित नहीं किया है. यह सिंडीकेट

संक्षिप्त ख़बरें

चंदन लाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हुआ सम्पन्न अलंकरण समारोह ।

बरवर। चंदन लाल इंटर कॉलेज भौनापुर में परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ तथा नवीन सत्र 2025 की शुरुआत

संगीतमय सुंदरकांड पाठ से हुई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संदीप मेहरोत्रा चेयरमैन मोहम्मदी कार्यक्रम अध्यक्ष राजन दुबे गन्ना प्रबंधक जी रहे पूरे विद्यालय में व कक्षाओं में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मंशासियन अतिथियों ने पुरस्कृत कर शुभाशीष दी आज इस मौके पर विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य व समिति के पदाधिकारी, विद्यालय के समस्त आचार्य बंधु तथा बच्चे उपस्थित रहे ।

सूचना अधिकार अधिनियम से चयन संबंधी कुल पांच बिंदुओं पर मांगी गई सूचना

आंगनबाड़ी कार्यकर्ती चयन प्रक्रिया में बड़े स्तर पर की गई धाधली और भ्रष्टाचार के उठ रहे आरोपों के मददे नजर कुल पांच बिंदुओं पर आधारित सूचना चाही गई है मांगी गई सूचना में चयन के लिए प्रकाशित विज्ञप्ति चयन संबंधी जारी गाइडलाइन तथा कुल आवेदनों की सूची और उनकी बनाई गई ग्राम पंचायत एवं न्याय पंचायत स्तर पर तैयार की गई मेरि सूची के सत्यापित छाया प्रतियाँ तथा चयनित अभ्यर्थियों की चयन सूची की सत्यापित छाया प्रतिया चाहि गई हैं अब तो सूचनाए मिलने के बाद एक बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा होना होगा तय और गड़बड़ी करने के दोषी पाए जाने वाले लोगों पर गिर सकती है गाज!

नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद उल फितर का त्यौहार बड़ी तादात में पढ़ी गई नमाज

बिसवां/सीतापुर नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ईद उल फितर बड़े हर्षोल्लाह के साथ मनाया गया, क्षेत्र की सभी ईदगाहों पर ईद की नमाज अदा की गई जिसमें भारी संख्या में अकीदत मदों ने भाग लिया और मुल्क की तरक्की एवं अमन व भाईचारे के लिए दुआ मांगी।

ईद के अवसर पर ईदगाह में भारी संख्या में लोग ईद की नमाज अदा करने के लिए पहुंचे जहां इमाम ईदगाह मौलाना जावेद इकबाल नदवी ने ईद की नमाज अदा करायी। उन्होंने इस मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ईद का त्योहार अच्छे काम करने बुराई से दूर रहने और दूसरों के साथ अच्छा सुलूक करने तथा जरूरत मंदों की मदद करने का पैगाम देता है। मौलाना जावेद इकबाल नदवी ने इस मौके पर लोगों से अपील की, कि रमज़ान के मुबारक महीने में जिस तरह से अल्लाह की इबादत की है ,आगे भी नमाज अदा करने, और दूसरों की मदद करने का काम करें। सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहा।

कृषि महाविद्यालय में बने बेस्ट कंपोस्ट पिट का किया अवलोकन और की सराहना।

सीतापुर 31 मार्च 2025 इनफॉरमेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एसआई पी से ऑपरेशन मैनेजर गिरीश मोहन जी द्वारा नगर पंचायत बक्शी का तालाब स्थित चन्द्र भानु कृषि महाविद्यालय मे जाकर पिट कंपोस्टर का अवलोकन किया और नगर पंचायत बीकेटी द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों एवं सहयोग की प्रशंसा की इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी इंद्रभान जी, नगर पंचायत अध्यक्ष गणेश रावत जी, दिनेश रावत जी स्वछता ब्रांड अंबेसडर डॉ सत्येंद्र सिंह योगेंद्र शुक्ला जी स्वरूसे विकास सिंह, सफाई नायक इतेंद्र, रामकुमार निर्भय सिंह अजय रावत एवं सैनिक स्वच्छता समिति के अध्यक्ष शंकर नाथ दुबे कोषाध्यक्ष अविनाश वर्मा सदस्य अमरेंद्र पटेल तथा आईटीसी से सुबेन्दु दास, प्रकाश कुमार, लोकेश कुमार आदिल हुसैन तथा सुभाष द्विवेदी आदि उपस्थित रहे द्य नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय हमारे नगर पंचायत का सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय है इसलिए यहां पर सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत चलाई गई योजनाओं का लाभ महाविद्यालय को मिल रहा है इसमें छात्र-छात्राओं को सीखने का भी अवसर मिलता है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो गजेंद्र सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए वर्मी कंपोस्ट और जैविक खाद पिट बनाए गए हैं जिस पर किसानों को भी समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है।

किशनगंज जिले में अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति टोला में विशेष विकास शिविर हेतु कार्यशाला आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

किशनगंज- जिला पदाधिकारी श्री विशाल राज की अध्यक्षता में जिले के सभी अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति टोला में विशेष विकास शिविर के सफल संचालन हेतु एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन कार्यालय वेश्म में की गई। यह कार्यशाला जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्पन्न हुई। कार्यशाला में निर्देश दिया गया कि पंचायत स्तर पर उपलब्ध 22 कर्णांकित सेवाओं को सभी अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति परिवारों तक शिविर से पूर्व सुनिश्चित रूप से पहुँचाया जाए, जिससे वंचित समुदायों को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने शिविर के पूर्व अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के परिवार/सदस्य को 22 कर्णांकित सेवाओ से अच्छादित करने का निर्देश दिया गया। शिविर में सिर्फ छुटे हुए लाभुकों से आवेदन प्राप्त कर उसका तुरंत निष्पादन करने का निर्देश दिया गया।इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने अपने-अपने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और सेवाओं के कुशल क्रियान्वयन पर चर्चा की। शिविर के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया गया।इस पहल का उद्देश्य जिले के अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति समुदाय के विकास को गति देना तथा उन्हें सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुँचाना है। जिला प्रशासन इस अभियान को प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से लागू करने के लिए कृतसंकल्पित है।

इस कार्यशाला में जिला स्तर के प्रमुख पदाधिकारियों उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्त्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, सिविल सर्जन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, जिला शिक्षा पदाधिकारी, किशनगंज, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, किशनगंज के प्रतिनिधि, अग्रणी बैंक, किशनगंज के प्रतिनिधि, श्रम अधीक्षक, विद्युत कार्यपालक अभियंता, PHED, DPC, आयुष्मान भारत, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, DPM, किशनगंज, जिला समन्वयक, LSBN, जिला कल्याण पदाधिकारी, किशनगंज शामिल थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ती चयन प्रक्रिया चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी जनपद में संचालित बाल विकास एवं पुष्टाहार परियोजना में रिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के पदों को भरने के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे उक्त पदों के चयन में बड़े पैमाने पर रिश्वतखोरी एवं भ्रष्टाचार का मामला प्रकाश में आया है सूत्र बताते हैं कि उक्त भर्ती प्रक्रिया में किए गए व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार के चलते तलाकशुदा विधवा और विकलांग महिलाओं को अनदेखा करते हुए या यूं कहें वरीयता क्रम को ताक पर रखकर अपात्र एवं मेरिट में एक दो पायदान नीचे आने वाले लाभार्थियों का चयन करके अपनी-अपनी तिजोरिया भर ली गई हैं ऐसा कई आवेदिकाओ ने आरोप लगाया है उक्त भ्रष्टाचार और चयन में हुई भारी धाधलों से आहत शिकायत करतो ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र प्रेषित कर मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच करवाए जाने तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है बताते चलें कि विकासखंड बाकेगंज व विकासखंड मोहम्मदी की ग्राम पंचायत की निवासिनी महिलाओं में ग्राम मुर्तजा अली निवासी निर्मला देवी व अन्य ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित प्रमुख सचिव गृह तथा बाल विकास परियोजना निदेशक को प्रेषित अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि वह काफी गरीब विधवा व 70त्न विकलांग की श्रेणी में आने वाली महिला है तथा शैक्षिक योग्यता स्नातक के 37 वर्षीय असहाय विधवा महिला है शिकायत करती का आरोप है कि उसने निराश्रित विधवा विकलांग कोटे से आवेदन किया था उसने अपना आवेदन अपनी ग्राम पंचायत के ग्राम डाकिया जोगी से आवेदन किया था वहीं दूसरी अभ्यासिनी रेखा देवी पत्नी लेखराम है जिनके चयन में भी इसे कम नंबर पाने वाली अभ्यार्थीनी का चयन किए जाने के आरोप लगाए गए हैं उक्त आवेदिका का आरोप है कि उससे उक्त आंगनवाड़ी चयन व काउंसलिंग के समय बतौर रिश्वत मोटी रकम की मांग की गई उक्त राशि दे पाने में असहमति जताई जिसके चलते उसे काउंसलिंग किये बगैर ही भगा दिया गया कि आप जाओ आपकी काउंसलिंग नहीं होगी और चयन के समय उसके आवेदन को अनदेखा करते हुए कम मेरिट अंक पाने वाली अपात्र महिला का चयन कर दिया गया पीड़िता द्वारा उक्त मामले के उच्च स्तरीय जांच किए जाने की मांग की है

करोड़ों के घोटाले पर शासन प्रशासन ने साधी चुप्पी

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी भले ही सुबे के मुखिया उत्तर प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की कवायद में लगे हैं और इसके लिए जीरो टारलेंस की नीति लागू करने की बड़ी-बड़ी बातें बड़ी-बड़ी मंचों से कर रहे हैं पर जनपद में उनकी भ्रष्टाचार मुक्त उत्तर प्रदेश के कवायद व जीरो टोरलेंस नीति हकीकत की धरातल पर दम तोड़ती नजर आ रही है भ्रष्टाचार के आकांठ मे डूबे जनपद के जिम्मेदार अफसर की नीति नीयत व आचरण की पोल खोलने को काफी है जिले में अरसे से एक ही जगह जमे जिम्मेदारों और अफसरो की अफसरशाही के चलते लोगों का विश्वास योगी सरकार से दिन-व दिन काम होते जा रहा है ताजा मामला जनपद खीरी की विकासखंड बिजुआ का है जहां जिम्मेदार अफसर और एक कंप्यूटर ऑपरेटर के बीच चल रही गहरी डील के चलते विकास को आए सरकारी धन की जमकर लूट किए जाने के आरोपों का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है ताजा मामला इस प्रकार बताया जाता है कि विकासखंड बिजुआ में एक दशक से कंप्यूटर ऑपरेटर पद पर तैनात रामदीप वर्मा कहने को तो ब्लॉक में कंप्यूटर ऑपरेटर पद पर तैनात हैं पर हकीकत में पूरा ब्लॉक यही चलाते हैं बगैर उनकी मर्जी के एक पत्ता तक नहीं हिल सकता है ऐसा लोगों का आरोप है शायद खंड विकास अधिकारी साहब महज हस्ताक्षर बनाने के लिए बैठ गए हो काम कहां कैसे होना है रामदीप वर्मा ही तय करेंगे ऐसा ब्लॉक के जानकार लोगों का आरोप है इसी गहरी पैठ के चलते ठेका कर्मचारी/ कंप्यूटर ऑपरेटर ने काफी नामी बेनामी संपत्ति बना डाली लोगों का आरोप है कि उक्त वर्मा ने ब्लॉक बिजुआ में आने वाली अधिकांश ग्राम पंचायतो में इंटरलॉकिंग कार्य कराए गए हैं जिनमें जमकर मनरेगा रेशियों 60-40 को ताक पर रखकर खुल्लम-खुल्ला मानक विपरीत गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य कराकर जमकर सरकारी धन की लूट की गई है इंटरलॉक के निर्माण कार्य के लिए नीचे रोडा डाले बगैर इंटरलॉक की ईट बिछवाआयी गई है और बॉक्सिंग बनाने में पीला ईट के साथ-साथ मात्र बालू से चुनाई किए जाने के गंभीर आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाए गए हैं यही कारण है कि कई जगह बॉक्सिंग उखड़ रही हैं ग्रामीणों के साथ कई प्रधानों एवं विभागीय जिम्मेदार ने नाम न खोलने की शर्त पर बताया कि प्रत्येक मनरेगा काम पर 30 से 40त्न का कमीशन ब्लॉक पर देना पड़ता है बाबू कंप्यूटर बाबू आदि को अलग से चढ़वा चढ़ाना पड़ता है सूत्रों के द्वारा लगाया जा रहे आरोपों में उक्त कंप्यूटर ऑपरेटर ने आवास आवंटन में भी प्रति आवास अवैध वसूली का खेल किया ही है गया है साथ ही साथ ग्राम पंचायत में आए शौचायलयों का पूरा पैसा डकार लिए जाने के आरोप लगाया जा रहे हैं उक्त ऑपरेटर क़ी यदि आय से अधिक संपत्ति की कराई जाए जांच तो भ्रष्टाचार स्वयं ही खुलकर आएगा सामने और खंड विकास अधिकारी सहित जे ई, ए. पी, ओ मनरेगा पर भी गिरेगी कार्रवाई की गाज अन्य कंप्यूटर ऑपरेटर साहब के द्वारा किए गए उपरोक्त घोटालों की लिखित शिकायत एवं निरंतर खबर चलाई जाने से अपनी गर्दन फसते देख पत्रकार दीपक पंडित पर फर्जी मुकदमा लिखवा कर लक्ष्मी जी के चढ़ा वे के बलबूते जेल भिजवा दिया गया जिससे कि वह जेल के अंदर रहे और उनकी गर्दन सुरक्षित रह सके यदि जिम्मेदारों द्वारा लिया गया मामले का संज्ञान और की गई निष्पक्ष जांच तो कंप्यूटर ऑपरेटर सहित एपीओ मनरेगा व टी ए और जे ई समेत खंड विकास अधिकारी बिजुआ पर भी आएगी कार्यवाही क़ी आंच! इस संबंध में जब खंड विकास अधिकारी बिजुआ से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो साहब का किसी कारण बस फोन ही नहीं उठ सका जिससे उनके पक्ष की जानकारी नहीं हो सकी!

जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर अचानक पहुंचे जेडीयू नेता मुजाहिद आलम के आवास, चर्चाओं का बाजार हुआ गर्म

स्वतंत्र प्रभात

किशनगंज- जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने सीएम नीतीश कुमार के भरोसे मंद बड़े नेता को अपने पाले में करने के लिए पुरा जोर लगा दिया हैं।उसी क्रम प्रशांत किशोर अपनी टीम के साथ ईद की नमाज के ठीक बाद जदयू नेता मास्टर मुजाहिद आलम के पैतृक गांव कोचाधामन प्रखंड के कैरीबीरपुर पहुंच कर ईद की मुबारकबाद पेश किया। प्रशांत किशोर करीब एक घंटे तक मास्टर मुजाहिद आलम के घर पर रहे।गौरतलब हो कि मास्टर मुजाहिद आलम सीमांचल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुराने एवं भरोसेमंद नेता माने जाते हैं। जमीनी स्तर काफी मजबूत पकड़ रखते हैं। इनके बारे में एक कहावत है कि चुनाव हारने के बावजूद कभी घर नहीं बैठते हैं। अठारह घंटे फील्ड में रहते हैं। दो बार विधायक रहकर बीते वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए कैंडिडेट के तौर पर किशनगंज संसदीय सीट से मास्टर मुजाहिद आलम चुनाव लड़े एवं कॉंग्रेस सांसद को कड़ी टक्कर दिया और करीब 59 हजार वोटों से हार गये। मास्टर मुजाहिद के आग्रह पर सीएम कई बड़े सौगात किशनगंज को दे चुके हैं। यही कारण है कि नीतीश कुमार मास्टर मुजाहिद आलम को अपना काफी भरोसे मंद मानते हैं। प्रशांत किशोर से जब मुलाकात के मायने पुछा गया तो पहले उन्होंने कहा कि ईद की मुबारकबाद देने ही आये थे लेकिन बार बार पुछने पर ईशारों इशारों में कहा मास्टर मुजाहिद आलम अपनी मेहनत की बदौलत खुद एक ब्रांड बने हुए हैं। अवाम में काफी लोकप्रिय हैं। जन सुराज ऐसे हीरों की कद्र करता है जो समाज एवं क्षेत्र की तरक्की के लिए जमीनी स्तर पर लोगों से हमेशा जुड़े रहें।टीम में शामिल कोर कमेटी के सदस्यों ने दबी जुबान में कहा कि डेढ़ साल से इस दिन का इंजार हम लोग कर रहे थे कि दोनों नेताओं की मुलाकात हो जाए ।लेकिन मास्टर मुजाहिद आलम हमेशा टाल मटोल कर रहे थे। आज बड़ी मुस्किल से ईद के बहाने मुलाकात सम्भव हो पाई है। आने वाला पल जन सुराज और कोचाधामन के लिए बेहतर रहेगा। वहीं अगर मास्टर मुजाहिद आलम जन सुराज में जुड़ते हैं तो एनडीए ही नहीं बल्कि राजद कॉंग्रेस गठबंधन को भारी नुकसान होने की सम्भावना है। मौके पर मौजूद मास्टर मुजाहिद आलम से जुड़े लोगों ने कहा कि राजद के लोग भी पटना से लगातार संपर्क बना रहें हैं कि मास्टर मुजाहिद राजद में जुड़ कर पार्टी को मजबूत करे। बताते चले कि मास्टर मुजाहिद आलम कोचाधामन विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2010 में एनडीए से चुनाव लड़कर 8 हजार वोटों से हारे थे। कोचाधामन से ही वर्ष 2014 के उप चुनाव में कॉंग्रेस एवं राजद गठबंधन के उम्मीदवार को बुरी तरह हरा कर पहली बार विधायक बने थे। वहीं 2015 में महागठबंधन के टिकट पर हॉट सीट कहे जाने वाले कोचाधामन विस क्षेत्र से ही चुनीव लड़े एवं ओवैसी की पार्टी ऑल इण्डिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के बिहार प्रदेश अध्यक्ष को करारी शिकस्त दी। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव से पूर्व मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में लोग एनआरसी, एनपीआर एवं सीएए के खिलाफ आक्रोशित थे सभी एनडीए तथा नीतीश कुमार से नाराज थे, तभी चुनाव हो गया एवं मास्टर मुजाहिद पब्लिक के गुस्से का शिकार हो गये। और कुछ वोटों से मीम पार्टी से हार गये।वहीं अचानक प्रशांत किशोर के दौरे से सीमांचल में राजनितिक तापमान काफी बढ़ गया है। राजद के खेमा सहित जदयू में खलबली मची हुई है। उधर पूर्व विधायक मास्टर मुजाहिद आलम ने कहा कि प्रशांत क़िशोर की टीम काफी लम्बे समय से लोकसभा चुनाव से पहले से ही मिलने भेंट कराने के लिए आग्रह कर रही थी। मैने कभी हामी नहीं भरा। आज ईद की नमाज पढ़ कर ईदगाह से निकले तो फोन आया और मना नहीं कर पाए। घर पर आने वाले मेहमान होते हैं। आज मेरे घर ईद मिलन समारोह भी है। जो भी आए स्वागत है। इसके राजनितिक मायने नहीं निकाला जाना चाहिए ।मौके पर मौजूद भारी संख्या में मास्टर मुजाहिद के समर्थकों ने प्रशांत किशोर की मौजूदगी में कहा कि वक्फ बिल पर अगर सदन में नीतीश कुमार के सांसद गण लोकसभा राजसभा में बिल का समर्थन करते हैं तो हम लोग हर हाल में मास्टर मुजाहिद आलम को जदयू से तीन तलाक करा लेंगे। आगे मिल बैठकर निर्णय लेंगे। सभी ने सड़क पर प्रशांत किशोर से बिल के विरोध में सड़क पर आंदोलन करने की मांग की, प्रशांत किशोर ने कहा की हम बिल के विरोध में खुल कर हैं।इस मौके पर सद्दाम भारती सहित अन्य दर्जनों लोग मौजूद थे।

किशनगंज के पोठिया प्रखंड में उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य हुआ तेज़ी गति के प्रारंभ

●उक्त पुल का निर्माण 5 करोड़ 68 लाख की लागत से होगी निर्माण।

स्वतंत्र प्रभात

किशनगंज जिला अंर्तगत पोठिया प्रखंड के ग्राम पंचायत उदगड़ा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेस 3 अंर्तगत उच्च स्तरीय पुल निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल - 2 के तहत कार्य तेजी गति के साथ चल रहा है। आपको बता दें कि उक्त पुल का निर्माण कार्य 5 करोड़ 68 लाख से होगा निर्माण। इसके संवेदक पंकज सिंह एंड सन्स के एमडी पंकज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पुल निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण सामग्री के साथ ससमय पूरा करना ही हमारा उद्देश्य है। वहीं संवदेक पंकज कुमार ने बताया कि आमजनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है पुल निर्माण कार्य को लेकर। इस पुल निर्माण के गुणवत्ता मानकों को लेकर ग्रामीण कार्य विभाग के सहायक अभियंता जितेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक दिन कार्यस्थल पर पहुंचकर कार्य का जायजा लिया जाता है ताकि आमजन मानस के लिए निर्मित पुल गुणवत्तापूर्ण हो। ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल -2 के कार्यपालक अभियंता चन्द्रशेखर सिंह ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले सभी पुलों को प्राथमिकता देते हुए पूर्ण करने का लक्ष्य है।

ईदुल फितर की नमाज के बाद बरोठा में हिन्दू मुस्लिम एकता की दिखी मिसाल

स्वतंत्र प्रभात

निघासन खीरी। निघासन ब्लाक के ग्राम पंचायत बरोठा में ईद की नमाज अदा करने के बाद हिन्दू भाई मुस्लिम भाइयों को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी गंगा जमुनी तहजीब की मिली एक अलग मिसाल हजरत मौलाना अजीम साहब ने मुल्क में अमन शान्ति आपसी भाईचारे मुल्क की कामयाबी के लिए दुआ मांगी और अपने तकरीर संबोधन में मुसलमान भाइयों को राष्ट्र प्रेम की भावना से प्रेरित किया उन्होंने कहा हमारा वतन हमारी आन बान शान हे देश की उन्नति में हम सब की उन्नति हे इस मौके पर समाजसेवी अमर प्रकाश शुक्ला प्रधानपति चंद्रहास उर्फ पिंटू , सरस्वती देवी कन्हैया लाल स्कूल के प्रबंधक श्री कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, समाजसेवी राहुल राज ,व पैकरमा , भरोसे राज ,मनोज कुमार, अंजनी कुमार, व अन्य गांव के सम्मानित हिन्दू भाई लोग ईदगाह पर मुस्लिम भाइयों को ईद की मुबारकबाद देने पहुंचे

क्या कहते हे लोग

1 अमर प्रकाश शुक्ला का कहना हे हमारी संस्कृतिक विरासत एक हे हम सभी समुदाय के लोग आपसी भाईचारे के साथ रहते हे एक दूसरे के त्योहारों को एक साथ हंसी खुशी से मनाते हे ओर एक दूसरे के त्योहारों को बधाई मुबारक बाद पेश करते हे 2- प्रबंधक कृष्ण कुमार विश्वकर्मा का कहना हे हमने मस्जिदों की दीवारों से इबादत की रह सीखी हे शिक्षा का ग्रहण करना मानवता की मंजिल हे हम लोग एक दूसरे के त्योहारों को आपसी सौहार्द से मनाते हे 3- प्रधान प्रतिनिधि चंद्रहास का कहना हे हम सब लोग एक हे हमारी संस्कृति आपसी भाईचारा सिखाती हे जिस पर हमें गर्व हे 4- राहुल राज का कहना हे हमें एक दूसरे के त्योहारों को सादगी से मनना चाहिए जिससे हमारा भाईचारा और मजबूत बना रहे हम लोग एक दूसरे के त्योहारों में शिरकत करके सौहार्द पूर्ण त्योहार मनाते हे!

कोतवाली सदर पुलिस ने लूट की घटना का मात्र 03 घण्टे में किया सफल अनावरण

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी पुलिस अधीक्षक खीरी, संकल्प शर्मा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में सम्पूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम व वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत दिनांक 31.03.2025 को थाना कोतवाली सदर पुलिस बल द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत मोहल्ला शिवनगर शिवालापुरवा में घर में घुस कर हुई लूट की घटना का मात्र 03 घण्टे में सफल अनावरण कर, घटना कारित करने वाले 04 नफर अन्तर जनपदीय गैंग के अभियुक्तों (03 अभियुक्ता व 01 अभियुक्त) को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शुदा अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुये न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

घटना का संक्षिप्त विवरण

दिनांक 30.03.2025 को दिन में करीब 12.00 बजे वादिनी श्रीमती वन्दना पाण्डेय पत्नी श्री रामकिशोर पाण्डेय निवासी शिवनगर शिवालापुरवा थाना कोतवाली सदर जनपद खीरी अपने घर में अपने 05 वर्ष के बच्चे के साथ मौजूद थी कि एक आटो नं0 UP27CT5726 उनके घर के सामने आकर रुका जिसमें से एक पुरुष व तीन महिलाएं उतरकर उनके घर में गेट खोलकर घुस गये एक महिला ने वन्दना के गले में चाकू रख दिया व अन्य ने पहने हुये सभी गहना जेवर लूट लिया तथा कमरे में रखा 10,000 रुपया भी लूट लिया इस दौरान इन लोगो द्वारा वादिनी से मार-पीट भी की गयी थी जिसके सम्बन्ध में वादिनी के तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली सदर पर मु0अ0सं0-282/2025 धारा-309(6) बीएनएस पंजीकृत किया गया। लूटे हुये समस्त गहना व जेवर व पैसा लेकर उसी आटो पर बैठकर भाग रहे थे कि सेठघाट चौकी प्रभारी उ0नि0 सुनील कुमार तिवारी व उनकी टीम द्वारा तुरन्त ही पूरे शहर में व आस-पास की सीमाओं पर तलाश करते हुए नाकाबंदी व घेराबंद करायी गयी थी और करीब 03 घण्टे के अन्दर ही इस आटो व इसमें बैठी हुयी 03 महिलाए व चालक पुरुष को लखीमपुर खीरी गोला रोड पर मनिकापुर पुलिस पिकेट के पास पकड लिया गया तथा जामा तलाशी से लूटे गये समस्त जेवरात व नगद पैसे बरामद हुये ।

नाम व पता वांछित अभियुक्तगण-

1. रेनू पत्नी अशोक निवासी मो0 खटिकाना थाना कोतवाली नगर जनपद शाहजहांपुर 2. लक्ष्मी पत्नी अजय निवासी मोहनपुर नकटिया थाना कैन्ट जनपद बरेली 3. मुण्डा उर्फ ओमवती पत्नी राजेश निवासी खटिकाना थाना कोतवाली नगर जनपद शाहजहांपुर 4. मोनू पुत्र रमेश चन्द्र निवासी मामनपुर ताजपुर थाना पसगवां जिला लखीमपुर खीरी

पंजीकृत अभियोग का विवरण

मु0अ0सं0 282/2025 धारा 309(6)/317(2)/ बीएनएस व 4/25 आर्म्स एक्ट थाना कोतवाली सदर जनपद खीरी **बरामदगी** अभियुक्तगण के पास से कुल 9440 रुपये नगद अलग अलग अभियुक्तवार, जेवरात एक जोडी कान का सुई धागा पीली धातु का, एक जोडी कान की बाली पीली धातु की, एक जोडी पायल सफेद धातु का, एक अदद चाकू अवैध , दो अदद मोबाइल फोन जामा तलाशी से व एक अदद ओटो रिक्शा जामा तलाशी से बरामद होना।